डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

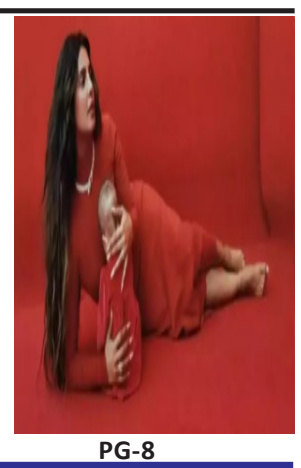

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः-प्रियंका चोपड़ा ने बेटी के साथ किया अपना पहला मैगजीन शूट,बताया आखिरी क्यों चुना था सरोगेसी का रास्ता

वर्ष -08 अंक -273 | प्रयागराज शनिवार 21 जनवरी, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

नरेंद्र मोदी के साथ देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट की तस्वीर यूजर्स से पूछा

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को मुंबई यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने 38,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके साथ ही मुंबई में नई मेट्रो सेवा का उद्घाटन किया। इसके बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पीएम मोदी के साथ शहर के दो स्टेशनों के बीच यात्रा की। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुंदावली और मोगरा स्टेशनों के बीच यात्रा की एक तस्वीर ट्वीट की है। देवेंद्र फडणवीस ने ट्विटर यूजर्स से ये अनुमान लगाने के लिए कहा कि तीनों नेता किस बारे में बात कर रहे हैं। बातचीत करते हुए नेताओं की मुस्कुराते हुए तस्वीर के साथ देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट किया, ठबातचीत का अंदाजा लगाइए। मेट्रो में सफर के दौरान पीएम मोदी ने युवा यात्रियों के एक समूह, मेट्रो रेल कर्मचारियों और महिलाओं के साथ भी बातचीत की। बताते चलें कि गुंदावली और मोगरा स्टेशन मेट्रो लाइन 7 फेज 2 का हिस्सा हैं, जिसका गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। मेट्रो लाइन 2ए उपनगरीय दहिसर ईस्ट को डीएन नगर (येलो लाइन) से जोड़ती है, जबकि लाइन 7 अंधेरी ईस्ट को दहिसर ईस्ट से जोड़ती है। इन रेल लाइनों का शिलान्यास 2015 में पीएम मोदी ने किया था और इन्हें 12,600 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है।

जनसंख्या में कमी दशकों के असफल परिवार नियोजन उपायों का नतीजा, होंगे वैश्विक प्रभाव

शेफील्ड। चीन की जनसंख्या 60 साल में पहली बार घटी है और सदी के अंत तक आधी से कम हो जाएगी। एक सरकारी अधिकारी

ने कहा कि कुछ साल तक जनसंख्या में गिरावट के बाद चीन अब नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि के युग में है। राष्ट्रीय जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर 6.77 जन्म के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। चीन लंबे समय से दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा है। 1970 के दशक में चीन की तेज जनसंख्या वृद्धि धीमी होने लगी थी। तब चीनी सरकार ने अत्यधिक जनसंख्या के डर के कारण परिवार नियोजन के उपायों की शुरुआत की थी। सबसे कड़ा उपाय 1980 में अपनाई गई वन चाइल्ड पॉलिसी यानी एक बच्चे की नीति थी। इसके तहत हर परिवार को सिर्फ एक ही बच्चा पैदा करने की इजाजत थी। हालांकि, इस नीति में कुछ जातीय अल्पसंख्यकों के सदस्य और ग्रामीण परिवार अपवाद थे। उस समय सरकार ने तर्क दिया था कि जनसंख्या वृद्धि को कम करके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दुर्लभ संसाधनों को मुक्त किया जा सकेगा। लिहाजा, चीन की जनसंख्या में वृद्धि की दर कई दशकों तक धीमी रही। मगर, अब दशकों बाद पहली बार जनसंख्या कम होने लगी है। फिलहाल ये बहस का विषय है कि क्या चीन की आबादी वास्तव में चरम पर है और ये कमी कब और कितनी तेजी से होगी। संयुक्त राष्ट्र ने 2022 में अनुमान लगाया गया था कि चीन की जनसंख्या 2030 के आसपास घटने लगेगी। चीन की आबादी पर डेटा अविश्वसनीय है और ये इस पर निर्भर करता है कि गिनती कौन कर रहा है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, देश में 2022 के अंत में 1.4117 अरब लोग थे, जबकि एक साल पहले ये 1.4126 अरब थे। जब अधिक लोग लंबे समय तक जीवित रहते हैं और कम बच्चे पैदा होते हैं, तो इसके दो नतीजे होते हैं। पहला एक कम होता कार्यबल और दूसरा वृद्ध लोगों के लिए बढ़ी हुई लागत। चीन की तीव्र आर्थिक वृद्धि उसके बड़े और सस्ते कार्यबल का नतीजा है। कम श्रमिकों के उपलब्ध होने और चीन से अलग होने के वैश्विक कदमों के साथ कंपनियां अपना उत्पादन कहीं और ले जा सकती हैं।

बृजभूषण के खिलाफ पहलवान हो रहे एकजुट, नेशनल चैंपियनशिप का कई खिलाड़ियों ने किया बायकॉट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह आज दोपहर 4 बजे उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के नवाबगंज स्थित कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र में बृजभूषण शरण प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। बृजभूषण ने इस बीच पहलवानों पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर वे मुंह खोलेंगे तो सुनामी आ जाएगी। के अध्यक्ष बृजभूषण पर देश की कई बड़ी महिला पहलवान द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद मामला अब बढ़ता जा रहा है। पहलवानों के एक दल ने बीते दिन खेल मंत्रायल के अधिकारियों से मिल बृजभूषण को हटाने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। बृजभूषण शरण आज दोपहर 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। बृजभूषण ने ट्वीट कर कहा है कि इस कॉन्फ्रेंस में वे उनके खिलाफ हो रही साजिश का पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी अभी तक किसी से बात नहीं हुई है और न ही मैं कोई इस्तीफा देने वाला हूं। बता दें कि दिल्ली ओलिंपिक व अन्य अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता पहलवान शुक्रवार को तीसरे दिन भी जंतर-मंतर पर धरने पर बैठेंगे। वे भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह से इस्तीफे

की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल पहलवान विनेश फोगट, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक, रवि दहिया और दीपक पुनिया ने शुक्रवार को भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा को रेसलिंग फेडरेशन इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न को लेकर लिखा है। उषा को लिखे पत्र में स्टार पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर यौन शोषण और वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है। भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों के विरोध प्रदर्शन में मुक्केबाज विजेंदर सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैं आज यहां पहलवानों से मिलने आया हूं और सभी के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा। सर्वाधिक आक्रोशित नजर आ रहीं ओलिंपियन विनेश फोगाट ने कहा कि बृजभूषण का त्यागपत्र लेंगे और जेल भी भिजवाएंगे। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, प्रदर्शन जारी रहेगा। हमारी जान चली जाए मंजूर है, लेकिन कुश्ती के भविष्य को संवारकर ही दम लेंगे। बीते दिन केंद्र सरकार की ओर से पूर्व पहलवान बबीता फोगाट जंतर-मंतर पर पहुंचीं और प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उनके साथ बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने सरकार के प्रतिनिधियों से भेंट की। वार्ता का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला तो प्रेस कान्फ्रेंस में पहलवानों ने नाराजगी जाहिर की। विनेश ने कहा कि हमने बृजभूषण शरण सिंह पर जो इल्जाम लगाए हैं वो पूरी तरह से सही हैं। कल तक हमारे साथ एक महिला पहलवान थी, लेकिन अब चार से पांच पहलवान हैं, जिनके साथ गलत हुआ है। हमें सामने आने के लिए मजबूर नहीं किया जाए। हम सम्मान को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। सबके सामने यह नहीं कहना चाहते कि हमारे साथ क्या-क्या हुआ है। हम कानूनी तरीके से आगे नहीं जाना चाहते, लेकिन समाधान नहीं निकला तो एफआइआर भी दर्ज कराएंगे। अगर हम जैसे पहलवानों के साथ ऐसा हो रहा है तो बाकी लड़कियां कितनी सुरक्षित हैं। अगर हम भी सुरक्षित नहीं हैं तो हिंदुस्तान में एक भी लड़की का जन्म नहीं होना चाहिए।

मुस्लिमों में बहुविवाह, निकाह हलाला को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती 5 सदस्यों की बेंच करेगी सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मुस्लिम समाज में एक से ज्यादा शादी और निकाह हलाला की प्रथा पर बैन लगाने की मांग पर

सुप्रीम कोर्ट संविधान पीठ के गठन पर राजी हो गया है। मामले में सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की पीठ का गठन किया जाएगा। हालांकि, सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है। अश्विनी उपाध्याय ने दाखिल की बता दें कि वकील अश्विनी उपाध्याय ने इसको लेकर जनहित याचिका दायर की है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने उनकी याचिका पर ध्यान दिया। उन्होंने माना कि मामले में सुनवाई के लिए पांच जजों की पीठ गठित करने की आवश्यकता है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा, पांच जजों की बेंच के सामने अभी कई महत्वपूर्ण मामले लंबित हैं। हम एक बेंच का गठन करेंगे और सुनवाई करेंगे। 30 अगस्त को हुई थी सुनवाई पांच जजों की बेंच ने 30 अगस्त को इस मामले में सुनवाई की थी।

डीजीपी आईजीपी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह साइबर और सीमा सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज राजधानी दिल्ली में डीजीपी-आईजीपी के वार्षिक

सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले हैं। बैठक में साइबर सुरक्षा, ड्रग्स के खिलाफ जंग और सीमा सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की जायेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल भी इस वार्षिक बैठक को संबोधित करेंगे। अमित शाह की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में देश के महानिदेशक (डीजीपी) और महानिरीक्षक (आईजीपी) स्तर के 300 से ज्यादा अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा, जिसमें खालिस्तानी चरमपंथियों से खतरा, अर्थव्यवस्था को लेकर आने वाली चुनौतियों, पूर्वोत्तर में उग्रवाद, क्रिप्टोकरेंसी, माओवादी हिंसा को लेकर चर्चा की जाएगी।

बनीं हिमाचल प्रदेश एच सी की कार्यवाहक चीफ जस्टिस, सीजेआई ए ए सैयद की सेवानिवृत्ति के बाद संभालेंगी पद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश अमजद अहतेशाम सैयद की सेवानिवृत्ति के पश्चात हाईकोर्ट

की वरिष्ठम न्यायाधीश सबीना को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। केंद्र सरकार की ओर से इस बाबत अधिसूचना जारी की गई है। इन्हें दूसरी बार हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनने का अवसर मिला है। एक अधिसूचना में केंद्रीय कानून मंत्रालय में न्याय विभाग ने जानकारी दि कि वो 21 जनवरी को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अमजद अहतेशाम सैयद की सेवानिवृत्ति के बाद पदभार ग्रहण करेंगी। बता दें कि न्यायमूर्ति सैयद 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर शुक्रवार को पद छोड़ रहे हैं। अधिसूचना जारी करते हुए जानकारी दी गई कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 223 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की वरिष्ठतम न्यायाधीश श्रीमती न्यायमूर्ति सबीना को उस राज्य के मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय के कर्तव्यों का पालन करने के लिए नियुक्त किया हैन्यायाधीश सबीना का जन्म 20 अप्रैल 1961 को हुआ था। इन्होंने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट के समक्ष वकालत शुरू की थी । साल 1986 में इन्हें सर्वसम्मति से पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की सह-सचिव चुना गया था। 21 जनवरी 1997 को इन्हें अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया गया था। सितंबर 2004 को इन्हें सत्र न्यायाधीश पदोन्नत किया गया। 12 मार्च 2008 को इन्हें पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 11 अप्रैल 2016 को इन्हें राजस्थान हाईकोर्ट के लिए स्थानांतरित किया गया था। 8 अक्टूबर 2021 को इन्हें हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के लिए स्थानांतरित किया गया था। इससे पहले ये कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के तौर पर 25 मई 2022 से 22 जून 2022 तक कार्य कर चुकीं हैं।

14 महीने बाद खुला एमबीबीएस छात्रा की हत्या का राज, समुद्र में शव ढूंढ़ने पहुंची जांच टीम

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। एमबीबीएस छात्रा सदिच्छा साने की हत्या के मामले में मुम्बई पुलिस ने 14 महीनों के बाद एक बड़ा खुलासा किया है। इस मामले के मुख्य आरोपी मिद्धू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसने अपना जुर्म भी कबूल कर

लिया है कि उसने छात्र को जान से मारकर उसका शव समुद्र में फेंक दिया है। आरोपी ने पुलिस को वो जगह भी दिखा दी है जहां से छात्र के शव को समुद्र में फेंका था। फिलहाल मुम्बई पुलिस और इंडियन नेवी के साथ मिलकर छात्र के शव को ढूंढ़ने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने आरोपी के टी-शर्ट को भी जब्त कर लिया है जो उसने हत्या के दौरान पहना था। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने कहा कि मामले में अपहरण का मामला दर्ज होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था और उससे के थर्ड ईयर का छात्रा अपने घर से पेपर देने के लिए निकली लेकिन वो वापस घर नहीं आई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस में उसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की जांच क्राइम ब्रांच करने लगी थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध के तौर पर मिद्धू सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। इसपर पहले अपहरण का मामला दर्ज किया गया। इउससे पूछताछ शुरू हुई तब उसने बताया कि बांडा स्टैंड के पास लाइफगार्ड के तौर पर उसकी ड्यूटी लगी थी। इस दौरान सदिच्छा उसे वहां दिखी तो आरोपी को लगा कि वो आत्महत्या करने के इरादे से आई है। तब ये इस छात्रा के पास पहुंचा औरक फिर दोनों में बातें शुरू हो गई। बातें रात के 12 बजे से सुबह के 3 बजे तक चलती रही। फिर मिद्धू सिंह सेल्फी लेकर वहां से चला गया, लेकिन बाद में पुलिस को पता लगा कि मामला कुछ और ही था आरोपी ने कबूल कर लिया कि उसने ही सदिच्छा की हत्या की है और पुलिस को बताया कि हत्या के बाद शव को समुद्र में फेंक दिया। क्राइम ब्रांच ने आरोपी के दो साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस अभी इस बात की जांच कर रही है कि आखिर आरोपी ने सदिच्छा की हत्या क्यों कि क्योंकि दोनों एक-दूसरे को जानते भी नहीं थे, साथ ही पुलिस इस बात की भी जांच करने की कोशिश कर रही है कि हत्या से पहले मिद्धू ने उसके साथ कोई गलत हरकत तो नहीं की है।

बीजेपी को विकास नहीं लव जिहाद चाहिए' कांग्रेस नेता हरिप्रसाद बोले

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, कर्नाटक पूरी तरह बर्बाद हो गया है। उन्होंने कहा कि हम शिक्षा की बात करते हैं और वे तलवार और बंदूक की बात करते हैं बीके हरिप्रसाद ने कहा कि शिक्षा महत्वपूर्ण है लेकिन भाजपा एनईपी (नैशनल एजुकेशन पॉलिसी) की बात करते हैं जो कहीं भी उपयोग करने योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि अमित शाह यहां आते हैं और जेडीएस पर हमला करते हैं और अमूल और केएमएफ (कर्नाटक मिल्क फेडरेशन) को विलय करने की बात करते हैं, लेकिन हम इसे होने नहीं देंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा विकास के बजाय केवल 'लव जिहाद', हिंदू-मुस्लिम विवाद और ऐसे अन्य संवेदनशील मुद्दे ही उठाना चाहती है। उन्होंने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा अमेरिकी छात्रों को बेंगलुरु और शंघाई के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम होने के लिए कहते थे। अब कर्नाटक में बीजेपी सरकार ने सब बर्बाद कर दिया है। हरिप्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का अपनी पार्टी के नेताओं को मुसलमानों का विश्वास जीतने के लिए कहना किसी गलत व्यक्ति के धर्मग्रंथों का उपदेश देने जैसा है। उन्होंने कहा कि वे चुनाव के दौरान ऐसे ही नौटंकी करते हैं, लेकिन लोग इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं।

खड़गे ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, बोले- 30 लाख रिक्त पदों के लिए 71 हजार नियुक्ति पत्र काफी कम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। शुक्रवार को कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर रोजगार मेले को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं को बांटे गए 71,000 नियुक्ति पत्र

बहुत कम हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे जानना चाहते हैं कि 16 करोड़ नौकरियां कहां हैं, जिन्हें आठ साल में देने का वादा किया गया था। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री को हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे की याद दिलाते हुए कहा कि सरकारी विभागों में 30 लाख पद अभी भी खाली पड़े हैं। खड़गे ने एक ट्वीट में कहा, नरेंद्र मोदी जी, सरकारी विभागों में 30 लाख पद खाली पड़े हैं। आज आप जो 71,000 भर्ती पत्र वितरित कर रहे हैं, वे बहुत कम हैं। रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। आपने हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। युवाओं को बताएं - पिछले आठ वर्षों में 16 करोड़ नौकरियां कहां हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान 'रोजगार मेला' के तहत आज करीब 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम की शुरुआत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी विभागों और संगठनों में नए भर्ती किए गए लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा, ठनिरंतर 'रोजगार मेला' अभ्यास हमारी सरकार की पहचान बन गया है और यह साबित करता है कि हम जो वादा करते हैं उसे पूरा भी करते हैं। आपको बता दें, 'रोजगार मेले' की शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में की गई थी। इस दौरान 10 लाख लोगों की भर्ती की गई थी। पहले रोजगार मेले में कुल 45 मंत्रियों ने हिस्सा लिया था जिसमें धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल, हरदीप पुरी, अनुराग ठाकुर और अन्य वरिष्ठ मंत्री शामिल थे। जानकारी के मुताबिक रक्षा मंत्रालय, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, डाक विभाग, सीबीआई, सीमा शुल्क, बैंकिंग और अलग-अलग सुरक्षा बलों में भर्तियां की जाएंगी। भारत सरकार के तहत जूनियर इंजीनियर, नर्स, शिक्षक, डॉक्टर, पीए, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जैसे अलग-अलग पदों पर तैनाती दी जाएगी।

सरस्वती विद्या इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव समारोह 22 जनवरी को

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़।बाबा दूधनाथ सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सगरा सुंदरपुर का वार्षिकोत्सव समारोह 22 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित किया गया है। प्रधानाचार्य उमाशंकर मिश्र ने बताया कि स्वर्ण जयंती वर्ष प्रोफेसर रज्जू भैया की स्मृति में यह वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित है जिसकी अध्यक्षता सर्वदानंद जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ करेंगे।मुख्य अतिथि सांसद संगम लाल गुप्ता व विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक जीत लाल पटेल होंगे।समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना,बसंत गीत,होली गीत,दहेज गीत, एकांकी,प्रहसन,वंदे मातरम आदि का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

बॉडी वार्न कैमरों के साथ तैयार मेला पुलिस,संदिग्ध पर होगी कड़ी नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । माघ मेला 2023 के प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या को सुरक्षित व सकुशल संपन्न कराने के लिए आज दिनांक 19.01.2023 असामाजिक तत्व/संदिग्ध व्यक्तियों/ लावारिस वस्तुओं एवं अनधिकृत रूप से ड्रोन के माध्यम से वीडियो और फोटोग्राफी करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। वरिष्ठ

को रिजर्व पुलिस लाइंस माघ मेला के मानसरोवर सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र आईपीएस के द्वारा 'बॉडी वार्न' कैमरे से लैस 80 पुलिसकर्मियों को मेला क्षेत्र में प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है मेला पुलिस के इन बॉडी वार्न कैमरा के जवानों के साथ चप्पे-चप्पे पर पुलिस अधीक्षक, माघ मेला के द्वारा मौनी अमावस्या के स्नान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए 80 पुलिसकर्मियों जो 'बॉडी वार्न' कैमरे से लैस है के साथ बैठक करते हुए मेला क्षेत्र में उनकी उपयोगिता, ड्यूटी के महत्व को बताते हुए अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

विकास कार्यों व विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। 19 जनवरी2023 (सूचना विभाग), मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में मंडल के सभी नगर पालिकाओं के विकास कार्यों व विद्युत विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में संपन्न हुई। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन श्री रणविजय यादव , अपर जिला अधिकारी, अधिशासी अधिकारी ,विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बकाया बिल वसूली के लिए संयुक्त रूप से अभियान चलाया जाए और साथ ही कैंप लगाकर बिजली बिलों की मिलान करते रहे । संबंधित अधिकारी यह भी सुनिश्चित करते रहेंगे कि किसी भी व्यक्ति के पास त्रुटिवश गलत बिल न जाने पाए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर खराब होने पर ट्रांसफार्मर ससमय बदलते रहे। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी बिजली मीटर खराब होने पर मीटर को तत्काल बदलते रहे और अगर मीटर मरम्मत करने पर सही हो जाये तो उस मीटर का मरम्मत

करके तत्काल सही कराये। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने मंडल के सभी नगरपालिका के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नगरपालिका की साफ-सफाई, कबर गाड़ियां, खुले में कूड़ा डंप ना हो, मशीनों की संख्या में वृद्धि कर लिया जाए और पार्क, कम्युनिटी हॉल, वेंडिंग जोन ऐसे कार्यों की कार्य योजना बनाकर प्राथमिकता पर कराया जाये। उन्होंने कहा कि राजस्व बढ़ोतरी के लिए कार्य योजना बनाकर मुख्य रूप से कार्य किए जाएं ।गाड़ियों की डेंटिंग पेंटिंग, सफाई कर्मचारियों को ट्रैक सूट वितरण साथ ही उक्त के माध्यम से स्लोगन/ ब्रांडिंग नगर पालिकाओं की करते रहे । रोडो की साफ-सफाई प्रतिदिन ससमय कराया जाए। मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि नगर पालिकाओं में अव्यवस्थित लगे होल्डिंग बैनर को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने मंडल के सभी नगर पालिकाओं की वित्तीय स्थिति की जानकारी जिलेवार लेते हुए कहा कि नगर पालिका में उपयोगिता के अनुसार उपकरण खरीदे। संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि अनटाइड का कार्य 90 पूर्ण करा लिया गया है उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि कहा कि सभी कार्य को गंभीरता से करते हुए ससमय पूर्ण कराया जाए।

हाईकोर्ट ने कोरोना काल में ली गई 15 फीसदी फीस को माफ करने का स्कूलों को आदेश दिया है

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । कोरोना काल में क्लासेज नहीं चलने के बावजूद स्कूलों द्वारा अभिभावकों से पूरी फीस वसूले जाने के मामले में से ली गई फीस को अगली फीस में एडजस्ट करना होगा. और जो बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं उनके अभिभावकों को फीस वापस करनी होगी. यह आदेश चीफ जस्टिस राजेश बिंदल ट्यूशन दिया था और स्कूलों में रेगुलर क्लासेज नहीं चली, जिसके चलते स्कूल सिर्फ ट्यूशन फी ले सकते हैं. उन्होंने याचिका में आगे कहा, 'लेकिन

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को बेहद अहम फैसला सुनाया है. हाईकोर्ट ने कोरोना काल में ली गई 15 फीसदी फीस को माफ करने का स्कूलों को आदेश दिया है. कोर्ट ने कहा कि उनका यह आदेश साल 2020- 21 के सेशन में ली गई फीस पर लागू होगा. कोर्ट के इस आदेश के तहत अगले 2 महीने में स्कूलों को सेशन 2020-21 में अभिभावकों और जस्टिस जे जे मुनीर की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता आदर्श भूषण व कई अन्य अभिभावकों की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है. कोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए जनहित याचिका भी निस्तारित कर दी है. मामले की सुनवाई के दौरान अभिभावकों के अधिवक्ता की ओर से हाईकोर्ट में दलील दी गई कि कोरोना काल में बच्चों को स्कूलों ने ऑनलाइन इस दौरान कंप्यूटर लैब चार्जेस, मेंटेनेंस चार्जेस व स्कूलों द्वारा फीस में लिए जा रहे हैं अन्य चार्ज नहीं वसूले जा सकते हैं.' अपनी बात के समर्थन में अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भी हवाला दिया, जिस पर सहमति जताते हुए हाईकोर्ट ने अभिभावकों के पक्ष में यह बड़ा फैसला सुनाया है

अटाला में ईद की नमाज के बाद पत्थरबाजी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रयागराज के अटाला मोहल्ले में ईद की नमाज के बाद पत्थरबाजी करने, पुलिस व सुरक्षाकर्मियों पर हमला, आगजनी की घटना में शामिल मुख्य आरोपित जावेद पंप की जमानत अर्जी पर दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित कर लिया है।

वस्तुओं की गुणवत्ता के निमित्त संवेदीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में भारतीय

मानक ब्यूरो (बी0आई0एस0) की लखनऊ शाखा द्वारा वस्तुओं की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि राष्ट्र सेवा एवं गुणवत्तापूर्ण सचेतन समाज की स्थापना में भारतीय मानक ब्यूरो की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद में अफसर आई0एस0आई0 उत्पाद को प्राथमिकता दें।आई0एस0 आई0 उत्पाद न होने की दशा में आईएसआई मानक के अनुसार ही खरीददारी की जाय। आईएसआई उत्पाद की सही पहचान के लिये बी0आई0एस0 केयर एप का प्रयोग करें।उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो उत्पादों पर आईएसआई मार्क, आभूषणों पर हालमार्क तथा इलेक्ट्रानिक मार्क आदि के माध्यम से उपभोक्ताओं को मानको के अनुरूप उत्तम गुणवत्ता वाले उत्पादों को पहुँचाने में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का सफल संयोजन भारतीय मानक ब्यूरो लखनऊ के उप निदेशक प्रो0 राजीव रंजन ने किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन नोडल अधिकारी रीना कुमारी ने किया।इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश कुमार सिंह, सुनील कुमार गुप्ता एवं रवि प्रताप सिंह विधिक माप विज्ञान अधिकारी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नए साल की शुरूआत से ही ठंड का सितम दिखने लगा था

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । नए साल की शुरूआत से ही ठंड का सितम दिखने लगा था। हालत यह रही हो गई कि पिछले सप्ताह भीषण ठंड से लोगों

की मुसीबत बढ़ गई। अस्पतालों में भी ठंड के कारण हृदय रोगों, गठिया से आदि से पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। हालांकि मौसम विज्ञानियों की माने तो दो दिन बाद ठंड से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वातावरण एवं समुद्र विज्ञान विभाग के डॉ. शैलेंद्र राय के मुताबिक दो दिन बाद दिन और रात के तापमान में वृद्धि की संभावना बनी हुई है। दिन में हवाएं चलने के कारण कुहरा नहीं हो रहा है। इसके अलावा दिन में कड़ी धूप होने के कारण दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है। रात में भी जल्द ही तापमान बढ़ेगा। ऐसे में आने वाले दिनों में लोगों को ठंड से राहत मिलेगी।हालांकि इसके बाद एक बार फिर से ठंड का सितम बढ़ सकता है। फिलहाल एक सप्ताह तक बारिश की कोई आशंका नहीं है। मौसम में किसी भी तरह के बदलाव के आसार नहीं दिख रहे है। हालांकि पहाड़ों पर होने वाली बर्फबारी का असर आने वाले दिनों में पड़ने की संभावना बनी हुई है।

प्रयागराज माघ मेला भूले भटके शिविर से होगा बिछड़ों का मिलन खोया पाया केन्द्रों का मेला क्षेत्र में सृजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । देश के कोने कोने से भारी संख्या में श्रद्धालु/स्नानार्थी माघ मेला प्रयागराज में संगम स्नान हेतु आते हैं, जिनमें बच्चे,बूढ़े,बुजुर्ग सभी सम्मिलित होते हैं। मेला क्षेत्र

में भारी भीड़ होने से श्रद्धालु प्रायः परिजनों से बिछुड़ जाते हैं जिनकी सहायता हेतु मेले में सेवा दल त्रिवेणी रोड़ दक्षिणी पट्टी माघ मेला पुलिस लाइन के बगल में स्थापित केन्द्रीय भूले भटके शिविर के माध्यम से निरन्तर 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के द्वारा ' एनाउन्स' करते हुये बिछड़ों को उनके परिजनों से मिलवाने में मदद की जाती है। माघ मेला पुलिस द्वारा आगामी मुख्य स्नान पर्व मौनी अमावस्या में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के संगम स्नान के दृष्टिगत मेला पुलिस द्वारा मेला क्षेत्र में 07 नये खोया पाया केन्द्र स्थापित कर भूले भटकों की मदद हेतु अभिनव प्रयास किया जा रहा है। सभी नव निर्मित खोया पाया केन्द्रों को विभिन्न सेक्टरों में बने स्नान घाटों पर पूर्व से बने 'वॉच टावर' के समीप स्थापित किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र द्धए द्वारा बताया गया कि केन्द्रीय भूले भटके शिविर को सफेद हवाई गुब्बारे से चिन्हित किया गया है जो मेला पुलिस लाइंस के बगल में स्थित है और पूरे संगम क्षेत्र में एक अकेले गुब्बारे के रूप में चिन्हित हो रहा है ।तथा 07नव निर्मित खोया पाया केन्द्रों को स्नान घाटों के समीप हेल्प डेक्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। सभी नव निर्मित खोया पाया केन्द्र निम्नवत है- 1- खोया पाया केन्द्र जमुना पट्टी अक्षयवट 2- खोया पाया केन्द्र अक्षयवट घाट वीआईपी 3- खोया पाया केन्द्र संगम लोवर अक्षयवट चौराहा 4- खोया पाया केन्द्र मोरी घाट कल्पवासी 5- खोया पाया केन्द्र काली घाट (काली सड़क) कल्पवासी 6- खोया पाया केन्द्र हरिश्चन्द्र घाट प्रयागवाल 7- खोया पाया केन्द्र गंगोली शिवाला (संगम लोवर चौराहा) प्रयागवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला के द्वारा बिछड़ों की सहायता हेतु मेला क्षेत्र में निम्नलिखित सहायक नम्बर उपलब्ध कराएं गए है जिनकी सहायता से बिछड़े हुए अपने परिजन से मिल सकते हैं।

मौनी अमावस्या को लेकर हाई अलर्ट, लगभग ढाई करोड़ श्रद्धालु संगम में करेंगे स्नान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । माघ मेला के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर सुबह चार बजे से ही प्रयागराज संगम पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। प्रशासन ने माघ मेला के सबसे बड़े अमावस्या स्नान पर्व पर सर्वाधिक भीड़ आने का अनुमान लगाया है। इसे लेकर पुलिस और प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

नगर निगम ने किया बड़ा ऐलान तंबाकू या उससे बने उत्पादों की बिक्री के लिए अब लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । तंबाकू या उससे बने उत्पादों की बिक्री के लिए अब लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। नगर निगम ने इसके लिए तैयारी शुरू

कर दी है। चुनाव बाद नव गठित नगर निगम के नव गठित मिनी सदन में इस प्रस्ताव को पारित कराने की तैयारी है। प्रदेश के कुछ शहरों में तंबाकू बिक्री पर यह नीति लागू होने के बाद अब प्रयागराज में भी लाइसेंस जारी करने की निगम प्रशासन ने तैयारी कर ली है। मंगलवार को नगर निगम के बहुउद्देश्यीय सभागार में तंबाकू वेंडर लाइसेंस प्रावधान लागू करने के लिए तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं उत्तर प्रदेश वालियंटरी हेल्थ एसोसिएशन लखनऊ की ओर से कार्यशाला हुई। इसमें तंबाकू विक्रेताओं को वेंडर लाइसेंस प्रणाली की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि लाइसेंस प्रणाली लागू होने से तंबाकू बिक्री सीमित होगी। साथ ही तंबाकू से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया गया। तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश सिंह का कहना था कि तंबाकू के सेवन से हो रही मौतों को रोकने के लिए वेंडर लाइसेंस प्रणाली को जल्द लागू करना आवश्यक है। तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के जनपद सलाहकार डॉ. शैलेश कुमार मौर्या ने भी इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी सी। उनका कहना है कि कोटपा अधिनियम 2003 को पूरी तरह से लागू करने के लिए इसकी धारा 456 एवं 7 का अनुपालन अनिवार्य होना चाहिए। इस दौरान अफसरों ने तंबाकू नियंत्रण पर रणनीति पर भी चर्चा की। उनका कहना था कि नगर निगम बोर्ड की बैठक में इस आशय का प्रस्ताव लाया जाएगा, ताकि इसे लागू किया जा सके।तंबाकू लाइसेंस प्रणाली प्रयागराज में जल्द ही लागू की जाएगी। इसके लिए नगर निगम सदन की बैठक में प्रस्ताव लाया जाएगा। बोर्ड की सहमति से लाइसेंस प्रणाली लागू की जाएगी। अरविंद कुमार राय,अपर नगर आयुक्त । उत्तर प्रदेश वालियंटरी हेल्थ एसोसिएशन के रीजनल कोआर्डिनेटर पुनीत कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि सभी नगर निगमों में तंबाकू वेंडर लाइसेंस लागू होना है। इस उपविधि के लागू होने के बाद नगर निगम सीमा क्षेत्र में कोई भी दुकानदार बिना लाइसेंस के तंबाकू उत्पाद व सिगरेट आदि की बिक्री नहीं कर पाएंगे। पहली बार पकड़े जाने पर 2000 रुपये, दूसरी बार पकड़े जाने पर 5000 और तीसरी बार पकड़े जाने पर 5000 जुर्माना और प्राथमिकी दर्ज होगी। पंजीकरण एक साल के लिए होगा। इसके बाद नवीनीकरण कराना होगा। अस्थायी दुकान के लिए 200 रुपये और स्थायी दुकान स्वामी को 1000 रुपये पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा। थोक बिक्री के लिए 5000 रुपये एक साल के लिए शुल्क के रूप में देना होगा।

विधायक इरफान सोलंकी को झटका, कोर्ट ने की जमानत अर्जी खारिज

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज ।इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कानपुर में तीन बार के विधायक इरफान सोलंकी को जमानत पर रिहा करने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि कानून बनाने वाले को कानून तोड़ने वाला नहीं बनने दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा याची का 15 केसों का लंबा आपराधिक इतिहास है। कानून बनाने वाले ने कानून तोड़ा और कानून अपने हाथ में लिया। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा करने का कोई आधार नहीं है। कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति डी के सिंह ने इरफान सोलंकी की अर्जी पर दिया है ।

हाई स्कूल,इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा हेतु की गई तैयारी बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़।यहाँ राजकीय इंटर कालेज में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0ओपी राय की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षा 2023 से संबंधित समस्त परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापकों की एक आवश्यक बैठक की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय ने समस्त केंद्र व्यवस्थापकों को संबोधित करते हुए बताया कि आगामी बोर्ड परीक्षा से संबंधित आवश्यक तैयारी पूर्ण कर लें,जिससे कि परीक्षा संचालन में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। उन्होंने आगे बताया कि केंद्र पर फर्नीचर,पेयजल,शौचालय,सीसीटीवी कैमरे,राउटर, ब्रॉड बैंड कनेक्शन,विद्युत व्यवस्था,कक्ष निरीक्षकों की व्यवस्था व समय से आवश्यक कक्ष निरीक्षकों की मांग, सशत्र पुलिस बल की व्यवस्था,प्रधानाचार्य कक्ष से इतर स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था,प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रखने हेतु डबल लॉक युक्त लोहे की आलमारी,जनरेटर की व्यवस्था,कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ कंप्यूटर की व्यवस्था सुनिश्चित करलें,जिससे कि परीक्षा सकुशल नकलविहीन व सूचितापूर्वक संपन्न कराने में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। उन्होंने आगे बताया कि दिनांक 20.01.2023 को प्रतापगढ़ संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालय संगम इंटरनेशनल स्कूल कटरा मेदिनीगंज प्रतापगढ़ में प्रातः 10.30 बजे से कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत तनाव मुक्त परीक्षा थीम पर आयोजित आर्ट एवम् पेंटिंग प्रतियोगिता में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रतिभाग कराएं और शिक्षकों के साथ स्वयं भी प्रतिभाग करे.साथ ही दिनांक 27.01.2023 को माननीय प्रधानमंत्री जी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार कराते हुए विद्यार्थियों को प्रतिभाग कराएं। दिनांक 24.01.2023 से 26.01.2023 तक आयोजित कार्यक्रम को यथानिर्देश संपन्न कराएं।समस्त विकास खंड नोडल अधिकारियों की बैठक करते हुए निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारी उक्त कार्यों को सकुशल संपन्न कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ एसपी द्विवेदी, प्रधानाचार्य डॉ विंध्याचल सिंह, डॉ राघवेंद्र पांडेय, पीके तिवारी, डॉ राजेंद्र कुमार,गरिमा श्रीवास्तव,बृजेश श्रीवास्तव सहित समस्त केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संयोजन प्रधानाचार्य राजकुमार सिंह द्वारा किया गया.कार्यक्रम का संचालन संतोष मिश्रा द्वारा किया गया।

अचानक ट्रैक पर हाथी आता देख इमरजेन्सी ब्रेक लगाकर बचाई थी हजारो की जानकारी

पूर्वोत्तर रेलवे ने सतर्कता बरतने वाले 7 रेल कर्मियों को प्रशस्ति-पत्र दे उपहार से नवाजा

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे श्री चन्द्र वीर रमण के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे यात्रियों की सुरक्षा एवं रेल संरक्षा के क्षेत्र में अनेक प्रभावी कदम उठाये गये है।महाप्रबन्धक श्री रमण ने पूर्वोत्तर रेलवे पर संरक्षा के क्षेत्र में माह दिसम्बर 2022 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 7 रेल कर्मियों को मंगलवार को महाप्रबन्धक कक्ष में नगद पुरस्कार एवं प्रषस्ति-पत्र प्रदान कर 'माह का सर्वोत्तम कर्मचारी' घोषित कर विषेष संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में उनौला स्टेशन पर स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत अनुप कुमार श्रीवास्तव ने 27 दिसम्बर, 2022 को कार्य के दौरान अप बी.सी.एन. मालगाड़ी के स्टेशन परिसर में प्रवेष करते समय एक वैगन के नीचे राड लटकता देखा, जिसे सहयोगी कर्मचारी से बंधवा कर गाड़ी को सुरक्षित किया गया।जिससे संभावित दुर्घटना को बचाया जा सका। कन्नौज स्टेषन पर कार्यरत ट्रैक मेन्टेनर ओम हरी ने 28 दिसम्बर 2022 को जसोदा व गुरसहायगंज स्टेषनों पर पर शीतकालीन पेट्रालिंग के समय रेल पथ में फ्रैक्चर देखा। इन्होंने तत्काल ट्रैक का प्रोटेक्षन कर उच्चाधिकारियों को सूचित किया। ओम की जागरूकता एवं सतर्कता के फलस्वरूप रेल फ्रैक्चर को समय पर ठीक किया जा सका। कम्पिलरोड स्टेशन पर कांटावाला के पद पर कार्यरत राम प्रकाष ने 30 अक्टूबर, 2022 को कार्य के दौरान पास हो रही मालगाड़ी का हैगिंग पार्ट देखकर तत्काल इसकी सूचना स्टेषन मास्टर, गार्ड एवं लोको पायलट को देकर गाड़ी रूकवाया। हैंगिंग पार्ट को ठीक कर गाड़ी को चलाया गया। काठगोदाम स्टेषन पर लोको पायलट सवारी के पद पर कार्यरत रामाज्ञा पंडित 14दिसम्बर 2022 को कार्य के दौरानअचानक ट्रैक पर एक हाथी आता देखकर इमरजेन्सी ब्रेक लगाया। जिससे ट्रेन हाथी से लगभग 10मीटर पहले रूक गयी।रामाज्ञा की सजगता के कारण संभावित घटना को रोका जा सका। तप्पा खजुरिया स्टेषन पर स्टेषन मास्टर के पद पर कार्यरत श्री राजेन्द्र सिंह ने 26 दिसम्बर, 2022 को कार्य के दौरान समपार पर दोनों बैरियर के मध्य एक ट्रक खड़ी होने की सूचना पर रन थ्रू जा रही गाड़ी सं. 15273 को रूकवाया। राजेन्द्र सिंह की सतर्कता से एक बड़ी दुर्घटना को टाला जा सका।मैलानी मुख्यालय के सहायक लोकोपायलट राकेष कुमार एवं लखनऊ मुख्यालय के लोको पायलट रवि कुमार द्वारा 31 दिसम्बर, 2022 को गाड़ी सं. 05361 पर कार्य के दौरान रिसिया स्टेशन पर प्रवेष करते समय कांटो की गलत लाइन की सेटिंग देखकर आपातकालीन ब्रेक का प्रयोग कर गाड़ी को रोका गया। चालक दल के इस सुझ-बूझ एवं सतर्कता से गाड़ी के गलत लाइन पर जाने एवं रेल तथा जन हानि होने से रोका जा सका।इसकी जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबंधक गोरखपुर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

दोहरीकरण संरक्षा परीक्षण के लिए डीआरएम संग रेल संरक्षा आयुक्त ने किया गहन निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं परिचालन सुगमता हेतु मूलभूत ढ़ांचे में विस्तार के क्रममें पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के छपरा-बलिया रेल खण्ड के दोहरीकरण कार्य के अन्तर्गत गौतमस्थान-माँझी (8किमी) रेल खण्ड पर नवनिर्मित दूसरी लाइन एवं बकुलहां-सुरेमनपुर के मध्य किमी0 22/8 से 25/3 तक और सुरेमनपुर-रेवती के मध्य किमी 29 से 33/2 कट कनेक्शन पर दोहरीकरण का संरक्षा परीक्षण रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर सर्किल मो0लतीफ खान द्वारा आज मंगलवार को किया गया। इस दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण पूर्वोत्तर रेलवे राजीव कुमार,मंडल के मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय,मुख्य इंजीनियर (निर्माण)आशुतोष मिश्रा, मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर(प्लानिंग)आरके0 सिंह सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा अपने निरीक्षण के उपरांत माँझी-गौतमस्थान रेल खण्ड पर सीआरएस स्पेशल ट्रेन से 90 किमी प्रतिघंटे की अधिकतम रफ्तार से स्पीड ट्रायल सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। रेल संरक्षा आयुक्त मो0 लतीफ ने सबसे पहले गौतमस्थान रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और दोहरीकृत सेक्शन के मानक के अनुरूप स्टेशन की पूर्ण ब्लॉक वर्किंग, सिगनलों की क्रासिंग,ओवर हेड ट्रैक्शन की ऊँचाई ,ब्लॉक ओवर लैप,फाउलिंग मार्क, सैंड हम्प , फीडर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली तथा नियंत्रण फीडर आइसोलेशन आदि की बरते जाने वाली सावधानियों व कार्यप्रणाली पर संरक्षा प्रश्न पूछा और यथोचित उत्तर पाकर संतुष्ट हुए। इसके बाद उन्होंने कर्व संख्या-12/9 का गहन निरीक्षण

स्टैण्डर्ड इंटरलॉकिंग,कलर लाइट सिगनलिंग,स्टेशन पैनल ऌअळ प्रणाली के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ पॉइंट्स व सिगनलों के रूट सेटिंग, मानक के अनुरूप यार्ड प्लान,न्यूट्रल सेक्शन, पावर सब स्टेशन,स्टेशन वर्किंग रूल, पैदल उपरिगामी पुल,प्लेटफार्म क्लियरेंस, पॉइंट संरक्षा परखी। गौतमस्थान स्टेशन के निरीक्षण के पश्चात रेल संरक्षा आयुक्त मोटर ट्राली से गौतमस्थान-माँझी ब्लॉक सेक्शन के निरीक्षण के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने समपार फटक संख्या-64ण् का भी संरक्षा निरीक्षण किया और गेट मैन श्री रामजी राय से दोहरिकृत सह विद्युतीकृत खण्ड पर किया और कर्वेचर पर पड़ने वाले सिगनलों की ऊँचाई एवं ट्रैक से मानक दूरी का मापन किया। तदुपरान्त रेल संरक्षा आयुक्त ट्रॉली निरीक्षण करते हुए माँझी स्टेशन पहुँचे और ब्लॉक स्टेशन के रूप में विकसित माँझी स्टेशन के दोहरीकरण सम्बंधित विकास कार्यों का निरीक्षण किया।फीडर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली व नियंत्रण फीडर आइसोलेशन आदि की संरक्षा भी परखी। ज्ञातव्य हो की छपरा-बलिया रेलखण्ड दोहरी करण से एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करके भीड़भाड़ वाले उत्तर मध्य रेलवे मार्ग पर दबाव कम हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य विद्युत डिज़ाइन इंजीनियर (निर्माण)ओपी0 सिंह,उप रेल संरक्षा आयुक्त बलबीर यादव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय)राकेश रंजन,वरिष्ठ मंडलपरिचालन प्रबंधक,एपी सिंह,वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी आशुतोष शुक्ला, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर द्वितीय सत्यम कुमार सिंह,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण) आरएन सिंह,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य)पंकज केशरवानी समेत बीजी निर्माण संगठन एवं वाराणसी मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अशोक कुमार जनसम्पर्क अधिकारी वाराणसी ने मीडिया को बताया की सीआरएस स्पेशल ट्रेन से सुरेमनपुर-माँझी-गौतमस्थान रेल खण्ड का स्पीड ट्रायल नहीं हुआ है।आम जनता को यह चेताया की माँझी-गौतमस्थान रेल खण्ड को आज से दोहरीकृत समझें और रेलवे ट्रैक तथा ओवर हेड लाइन से सुरक्षित दूरी बनाये रखें।

जी-20 सम्मेलन के लिए सजेगा सारनाथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। जी-20 की अप्रैल से होने वाली महत्वपूर्ण बैठक व संभावित अंतरराष्ट्रीय बुद्धिस्ट सम्मेलन की

दृष्टि से कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने बुधवार को सारनाथ क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रस्तावित फ्लाईओवर और पार्किंग आदि के लिए जमीन देखी। कहा, जो भी निर्माण हो पूरी तरह स्थानीय लोगों की वरीयता के साथ ही इको फ्रेंडली भी हो। प्रस्तावित प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यहां दक्षिण-एशिया के देशों से ज्यादा संख्या में आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करना है। उन्होंने कहा कि जी-20 की मीटिंग को लेकर पूरे क्षेत्र को सजाया संवारा जाए कमिश्नर ने सारनाथ स्तूप के पास धार्मिक क्रिया-कलापों के लिए जमीन पर काबिज लोगों को कागजात संबंधित तहसील में उपलब्ध कराने को कहा ताकि मौजूद रिकार्ड से मिलान किया जा सके। कमिश्नर मूलगंध कुटी विहार, सारनाथ बांस वन, बिड़ला धर्मशाला, महाबोधि कालेज आवासीयभवन, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, पार्किंग स्थल, पर्यटक पुलिस थाना आदि का निरीक्षण किया। साथ ही तीन दिन बाद संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर, तहसीलदार तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कर्मचारी उपस्थित रहे। कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने 45.83 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन नमोघाट पुनर्विकास फेज दो का कार्य तेजी से पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही नमो घाट फेज दो में ज्यादा पार्क और ग्रीन एरिया जोडे को निर्देशित किया। कमिश्नर बुधवार को नमोघाट पर विकास कार्यों के निरीक्षण दौरान कहा कि घाट के पिछले हिस्से में सभी स्टार्म वाटर ड्रेन को सर्फेस ड्रेन का निर्माण कर चैनलाइज़ किया जाए।

काशी में टेंट सिटी की तर्ज पर हॉट एयर बैलून को भी नियमित करने की तैयारी आसमान में उड़ान भर सकेंगे पर्यटक

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। काशी में टेंट सिटी की तर्ज पर हॉट एयर बैलून को भी नियमित करने की तैयारी, आसमान में उड़ान भर सकेंगे पर्यटक शासन से अनुमति के बाद

इसकी टेंडरिंग होगी। सितंबर माह तक लगभग बारिश व बाढ़ की स्थिति समाप्त हो जाती है। इस माह से इसको संचालित किया जा सकता है। फरवरी तक हाट एयर बैलून के उड़ान के लिए यहां अनुकूल मौसम व माहौल रहेगा। पर्यटक भी इस दौरान आते हैं। गर्मी में इसका संचालन नहीं किया जा सकता है। इसलिए फरवरी तक इसे परमिशन दिया जा सकता है। नमोघाट के आसपास इसके लिए एक अस्थाई स्टेशन बनेगा। मानक के तहत शुल्क भी तय होंगे ताकि सभी पर्यटक के साथ सामान्य जन भी इसका आनंद ले सकें। बशांघाई सहयोग संगठन के लिए आयोजित काशी महोत्सव के अवसर पर आयोजित बोट रेस की सफलता के बाद अब जिला प्रशासन बड़े स्तर पर यहां प्रतियोगिता कराने की तैयारी में है। कमिश्नर ने कहा कि काशी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। आगे इसको नियमित करने की तैयारी है। इसी क्रम में यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की बोट रेस प्रतियोगिता का आयोजन हो सकता है। काशी उत्सव का शहर है।

इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठानो से लबे रोड चोरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। शिवपुर थाना क्षेत्र के गिलट बाजार चौकी अंतर्गत पत्रकारपुरम गेट के सामने विगत कई वर्षों से विक्की इलेक्ट्रॉनिक नामक फर्म है।जहां बीते बृहस्पतिवार 12 जनवरी को व्यापारी की व्यस्तता का फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने दुकान के बाहर रखे रूम हीटर को चुरा ले गया। दुकान के प्रोपराइटर विक्रम मध्यानी ने बताया कि इसके पूर्व भी उनके यहां ऐसे ही चोरी हो चुकी है। इधर बीच बढ़ती ठंड का फायदा उठाते हुये चोरी की घटनाओं को अंजाम बढ़ गयी हैं। प्रतिदिन जनपद में कहीं न कहीं चोरी की घटनाएं देखी जा रही है। विक्की इलेक्ट्रॉनिक में 3 माह पूर्व भी दुकान के बाहर रखे सामानों से इंटेक्स मल्टीमीडिया ब्लूटूथ स्पीकर जिसका मूल्य 6490 था चोरी हो गया था।बाहर का कैमरा दुरुस्त न होने के कारण चोर कैमरे में कैद नहीं हुआ। परंतु इस बार पुनः चोर ने दुस्साहस करते हुए बाहर रखे सामानों में से वी-गार्ड का रूम हीटर जिसका मूल्य 1650 है लबे रोड चुरा लिया। जो सीसीटीवी कैमरे की विडीओ रिकॉर्डिंग व फुटेज में साफ दिख रहा है,प्रयासन पहचाना जा सकता है। देखना है कि चुनौतीपूर्ण चोर कब पुलिस की गिरफ्त में आता है। प्रार्थी की तहरीर पर आश्वासन देते हुए पुलिस विधिक कार्रवाई में जुटी।

जेपी नड्डा और सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर लिया चाय का आनंद, 2024 के लिए पूर्वांचल पर फोकस

(आधुनिक समाचार सेवा)

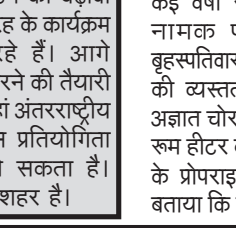

वाराणसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और सीएम योगी आज श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। इससे पूर्व काल भैरव के दर्शन पूजन के बाद अध्यक्ष जेपी नड्डा और योगी ने एक साथ चाय का आनंद लिया। बता दें कि आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसे मिशन 2024 की तैयारी बताया जा रहा है। वास्तव में गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, लालगंज समेत पूर्वांचल की 14 सीटें अभी भाजपा के पाले में नहीं है। लोकसभा उपचुनाव में आजमगढ़ की सीट भले हाथ आ गई पर सामान्य चुनाव में

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार शाम लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा बाबतपुर पहुंचे थे। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अगवानी की थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष शुक्रवार सुबह श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में मत्था टेकने के बाद पुलिस लाइन हेलीपैड पहुंचेंगे और हेलीकाप्टर से गाजीपुर के ल?िए रवाना हुए। यहां वे पवहारी बाबा आश्रम में दर्शन-पूजन के बाद वहां आयोजित बूथ समिति की बैठक में भाग लेंगे। दोपहर में गाजीपुर के बंसी बाजार स्थित नंद रेजीडेंसी में पूर्व सैनिकों संग संवाद करेंगे, उन्हें सम्मानित भी करेंगे। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष दोपहर 1.30 बजे आइटीआइ मैदान में यह राह आसान नहीं दिखती। गाजीपुर जिले में सैनिकों के सर्वाधिक परिवार है। सैनिकों से संवाद व सम्मान कार्यक्रम को भले ही सामान्य शिष्टाचार से भाजपा जोड़ रही हो पर राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि भाजपा खोने वाली सीट ही नहीं, पूरे देश में एक बड़ा संदेश सैनिकों के हितैषी होने का देकर विपक्ष का मुंह बंद करने वाली है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बूथ समिति, संचालन समिति व जिला पदाधिकारियों की बैठक में कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ जीत की जमीन तैयार करने के मंत्र देंगे तो जनसभा कर पूरे पूर्वांचल को साधेंगे। इसके बाद शुक्रवार की शाम को बाबतपुर एयरपोर्ट आएंगे और विमान से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) — फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर — वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी — सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग — रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन — सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं — बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्ट्कि मैकैनिक — कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

टवेरा कार मे 40 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ जीस कि किमत 4 लाख रुपए है

मादक पदार्थ कि बरामदि के साथ अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिहं के कुशल निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी व इसमें संलिप्त अपराधियों की

गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में समय लगभग 06.00 बजे थाना रायपुर पुलिस की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर नगांव तिराहा ग्राम सोवदवल के पास से एक अदद टवेरा कार संख्या- 641121 से 02 अदद बोरी में कुल 40 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया तथा मौके से 03 अन्तर्रप्रान्तीय/अन्तरजनपदीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया । उपरोक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना रायपुर पर मु0अ0सं0-05/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है । **विवरण पूछताछ-** अभियुक्तगण से पूछताछ किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि हम लोग गांजा को बिहार से लेकर मध्यप्रदेश बेचने के लिए ले जा रहे थे । **गिरफ्तार अभियुक्तगण-** 1. राजेश गुप्ता पुत्र तेरसू प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम बडोखर, भरथीपुर, थाना कोरवा, जनपद प्रयागराज उम्र लगभग 24 वर्ष । 2. जवाहर लाल पटेल पुत्र चन्द्रभान पटेल निवासी ग्राम होतीपुरवा, थाना चाकघाट, जनपद रीवा(म0प्र0) उम्र लगभग 39 वर्ष । 3. विनोद कुमार यादव पुत्र महेन्द्र यादव निवासी ग्राम चौधरना, थाना अधौरा, जनपद कैमूर, भभुआ (बिहार) उम्र लगभग 28 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** 1. 40 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा । 2. एक अदद टवेरा कार संख्या- ऊझ् 641121 । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 01. प्रभारी निरीक्षक, योगेन्द्र यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 02. मुख्य आरक्षी सुनील यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 03. मुख्य आरक्षी जितेन्द्र यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 04. मुख्य आरक्षी विपिन यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 05. आरक्षी शमशेर सिंह बहादुर, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र ।

एमएसएमई विकास पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के क्षेत्रीय विकास कार्यालय वाराणसी द्वारा बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज स्थित सोन पैलेस में एक दिवसीय एमएसएमई विकास पर आधारित सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका

शुभारंभ कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि रहे जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह व मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार एवं एमएसएमई विकास कार्यालय प्रयागराज से आए संयुक्त निदेशक एल बी एस यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। बतादें कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमों को वैश्विक बाजार के अनुरूप तैयार करना था। कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न सहायताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें सहकारी टेंडरों में एमएसएमई उद्यमियों को उपलब्ध छूट, जेम पर विक्रेता पंजीकरण, डिजाइन डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग, ट्रेडमार्क, इनोवेशन इत्यादि प्रमुख विषय रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने वहां उपस्थित निवेशकों व एमएसएमई उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहां कि इस अवसर का लाभ लेकर जनपद में अधिक से अधिक रोजगार सृजन करने का कार्य करे। वही एमएसएमई विकास कार्यालय प्रयागराज से पधारे एल बी एस यादव संयुक्त निदेशक ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए इसके उद्देश्यों व लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी कि कैसे भारत सरकार की स्फूर्ति एवं एम एस ई सी डी पी क्लस्टर योजनाओं का लाभ लेकर क्षेत्रीय उत्पाद की उत्पादकता वह गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में पधारे विशिष्ट आई आई ए अध्यक्ष मिर्जापुर मोहन अग्रवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता, उद्यमी मित्र आनन्द प्रकाश गुप्ता सहित अन्य तकनीकी जानकारों ने उद्योग क्षेत्र की विभिन्न बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की। तो वहीं रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, सोनभद्र के डायरेक्टर जी एस तोमर ने स्टार्टअप्स की जानकारी देते हुए युवाओं को नए नए विचारों के स्टार्टअप्स के साथ आगे आने का आवाहन किया तथा भरोसा दिलाया कि आरईसी इनोवेशन व इन्वेटिव डेवलपमेंट में हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है । विदेश व्यापार महानिदेशालय से आए अधिकारी ने निर्यात हेतु आवश्यक प्रक्रियाओं पर जानकारी प्रदान की। स्वागत संबोधन राजेश चौधरी सहायक निदेशक एमएसएमई, कार्यक्रम का सफल संचालन वी के राणा सहायक निदेशक एमएसएमई और धन्यवाद ज्ञापन रितेश बरनवाल अन्वेषक एमएसएमई ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संदीप सिंह चंदेल, प्रकाश वेशरी, रमेश जायसवाल, अजीत जायसवाल, आनन्द जायसवाल, हिमांशु शेखर, अभिषेक पुष्कर, रवि रौनियर, विजय कुमार, महेश मिश्र, संध्या, ममता, जितेंद्र कुमार सिंह , हर्ष गुप्ता, पवन जायसवाल, राजेश मौर्य, महावीर, एनआरएलएम के अरुण कुमार जौहरी, एम जी रवि, एनयूएलएम राजेश उपाध्याय, उद्यमी प्रदीप कुमार गुप्ता (बालाजी) बृजेश पटेल, निशा, पूजा, संजू कुशवाहा, मंजू कुशवाहा, सत्य भामा इत्यादि मौजूद रहे।

दुद्धी विधायक रामदुलार के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। विधायक को गिरफतार कर 23 जनवरी को हाजिर कराने का सोनभद्र एसपी को कोर्ट ने दिया आदेश आठ वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का है आरोप कई तिथियों से न्यायालय में हाजिर न होने का मामला सोनभद्र। आठ वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की को डरा धमाका कर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में आरोपी दुद्धी विधायक रामदुलार के विरुद्ध वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने कई तिथियों से कोर्ट में हाजिर न आने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। साथ ही कड़ा रुख अपनाते हुए दुद्धी विधायक रामदुलार को गिरफ्तार कर 23 जनवरी को कोर्ट में हाजिर कराने का आदेश सोनभद्र एसपी को दिया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक म्योरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 4 नवंबर 2014 को शाम 7 बजे उसकी नाबालिग बहन रोती हुई आई और पूछने पर बताया कि वह अब मुंह दिखाने लायक नहीं रह गई है। बहन ने बताया कि प्रधान पति रामदुलार (वर्तमान में दुद्धी विधायक हैं) ने कई बार डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया है। डर की वजह से नहीं बताती थी। आज भी शौच जाने के समय उसने जोर जबरजस्ती की है। किसी तरह से भाग कर आई हूं। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया और पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया है। इसी मामले में मुलजिम बयान हेतु तिथि नियत थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से विशेष लोक अभियोजक सत्यप्रकाश त्रिपाठी एवं दुद्धी विधायक के अधिवक्ता रामवृक्ष तिवारी उपस्थित हुए। 10 जनवरी, 17 जनवरी व 19 जनवरी को भी बीमारी का हवाला देकर अधिवक्ता के जरिए अपलिकेशन दिया गया, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। साथ ही कड़ा रुख अपनाते हुए दुद्धी विधायक रामदुलार के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए 23 जनवरी को दुद्धी विधायक को गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर कराने का आदेश सोनभद्र एसपी को दिया है।

टोल प्लाजा पर कर्मियों ने लोगो को दी यातायात नियमों की जानकारी,की निर्धारित गति सीमा से वाहन चलाने की अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत टोल कर्मियों द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी। टोलवेज लिमिटेड के महाप्रबंधक रामजन पटेल ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की अपील के साथ कहा कि मोटर साइकिल चलाते समय हेलमेट और कार में

सीटबैल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। सड़क दुर्घटना के दौरान घायल व्यक्ति की मदद बेहिचक करे, क्योंकि अब मदद पहुंचाने वाले व्यक्ति की किसी भी प्रकार की पुलिस अथवा अन्य व्यक्ति द्वारा पूछताछ नही की जायेगी।सीनियर प्लाजा मैनेजर नीरज कुमार सिंह व डिप्टी मैनेजर सोनू कुमार सिंह ने कहा कि सभी के सहयोग से ही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। यातायात सड़क सुरक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए टोल प्रबंधक श्री पटेल ने कहा कि वाहन को निर्धारित गति सीमा में चलायें। ओवरस्पीडिंग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने पर चालक का ध्यान ड्राइविंग से भटक जाता है जिससे दुर्घटनाएं होती है। नींद, नशा अथवा थकान की स्थिति में वाहन न चलायें। ऐसा करने पर आप स्वयं दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे होते हैं। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन न करना आत्महत्या के बराबर है जो कि कानूनन अपराध है। इस दौरान सदानंद यादव,आशीष यादव,प्रदीप पांडेय,विकेश कुमार सिंह,संतोष शर्मा,भगवान प्रसाद आदि मौजूद रहे।

कोन थाना क्षेत्र के रामगढ़ बाजार की है घटना मौका मुआयना करने पहुचे एडिशनल एसपी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। कोन (सोनभद्र)-कोन थाना क्षेत्र के रामगढ़ बाजार की है घटना मौका मुआयना करने

पहुचे एडिशनल एसपी कालू सिंह ने बताया कि अराजक तत्वों द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को तोड़ा गया है अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है जांच किया जा रहा है। ग्रामीणों ने सुबह डॉ अम्बेडकर के मुर्ति का सिर गायब होने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया।सूचना मिलते ही भारी संख्या मे पुलिस बल मौके पर पहुँची । अक्रोशीत जनता को पुलिस ने समझा बुझा कर मामले को शान्त कराया।ग्रामीणों के तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

रामचंद्र अध्यक्ष, विमल महामंत्री व महेंद्र कोषाध्यक्ष निर्वाचित

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र सत्र 2022-23 चुनाव सकुशल संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के प्रतिष्ठापरक चुनाव को लेकर बृहस्पतिवार को कचहरी परिसर स्थित एसोसिएशन सभागार में

कड़ी सुरक्षा के बीच नई कार्यकारिणी के लिए मतदान की प्रक्रिया अपनाई गई। इस दौरान रामचंद्र सिंह अध्यक्ष, विमल प्रसाद सिंह महामंत्री और महेंद्र प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। तीन पद के लिए सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक अपनाई गई मतदान प्रक्रिया में 333 मे से 248 मतदाताओं ने अपने माताधिकार का प्रयोग किया। तीनों पदो के लिए कुल 6 उम्मीदवार मैदान में है। अध्यक्ष पद के लिए अशोक कुमार कनौजिया एडवोकेट को 80 मत एवं एवं रामचंद्र सिंह एडवोकेटको 167मत, महामंत्री पद के लिए राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट को121 एवं विमल प्रसाद सिंह एडवोकेट 125 तथा कोषाध्यक्ष के लिए महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट को 128 व टीटू प्रसाद गुप्ता को 118 मत मिले। 4 बजे शाम से मतों को मतगणना कराकर, शाम को परिणाम घोषित कर दिया गया। प्रत्येक राउंड में 100 मतों की गणना कराई गई। मतदान को लेकर सुबह से ही गहमागहमी बनी रही सुबह 11 बजे मुख्य चुनाव अधिकारी हीरालाल पटेल व सहायक चुनाव अधिकारी एड पवन कुमार सिंह ने अपने सहयोगी निर्वाचन अधिकारियों के साथ मतदान कार्य शुरू कराया। पहला मतदान एल्डर कमेटी के चेयरमैन एड ओमप्रकाश सिंह ने किया। इसके बाद अन्य ने मतदान किया लेकिन शुरूआत धीमी रही। दोपहर 12 बजे तक महज 120 मत पड़े। उसके बाद से तेजी आई तो शाम 2.30 बजे तक 248 मतदाताओं ने मतदान किया के जरिए अपने फैसले को सुरक्षित कर दिया। 02 मत टेंडर वोटिंग के पड़े थे। कुल 248 मतों की गणना 19 जनवरी की 4 बजे शाम से कराई गई। गणना पूरी होने के बाद, परिणाम की घोषणा की गई। उसके बाद सादे समारोह में सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को एल्डर कमेटी चेयरमैन की मौजूदगी में शपथ भी दिलाई गयी। शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए पुलिस फोर्स मौजूद रहे। एल्डर कमेटी के सदस्य एड राजेश कुमार सिंह, एड विश्राम सिंह, एड श्रीनाथ सिंह, एड राजनाथ सिंह वहीं मौजूदा अध्यक्ष विंध्यवासिनी प्रसाद सिंह, महामंत्री रामजियावन सिंह यादव, एड अतुल प्रताप पटेल, एड प्रदीप कुमार, एड सुरेश सिंह, द्वारका नाथ नागर, अरूण कुमार सिंघल, एड राजकुमार सिंह, एड कृष्णानंद सिंह, एड जितेंदर, एड चन्द्र प्रकाश सिंह संदीप जायसवाल आदि व्यवस्था दुरूस्त रखने में लगे रहे।

जरूरतमंदों में कंबल वितरण कर पहुंचाई राहत समाज कल्याण मंत्री सजीव गौड ने की मदद मे आगे आने की गुजारिश

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। कड़ाके की ठंड में खाड़र गांव में जरूरतमंदों में कंबल वितरण कर राहत पहुंचाई गई। सादे समारोह में बतौर मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव

कुमार गौड़ ने कहा कि हम सबका प्रयास होना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को ठंडक से बचाव हेतु राहत प्रदान किया जाए। लोगों की मदद करना ही हम सबका कर्तव्य है। व्यवसायियों के सहयोग कंबल वितरण का पुनीत कार्य संपन्न हुआ है। कंबल वितरण में भाजपा जिलामंत्री कन्हैयालाल जायसवाल, राजेंद्र गर्ग, मुकेश बंसल, राधेश्याम बंसल, ईश्वर गर्ग, सुशील गोयल, पवन मिश्र, सुनील आदि मौजूद रहे। बता दें कि इस दौरान आदिवासियों, वनवासियों ने करमा नृत्य प्रस्तुत किया। बड़गावा में समाज कल्याण मंत्री ने क्रिकेट मैच का उद्घाटन किया।

चोरी के प्रकरण मे एक अभियुक्त कि थाना चोपन पुलिस के द्वारा हुई गिरफ्तार किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में चोरी पर प्रभावी रोकथाम लगाने तथा चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी

हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-07/2023 धारा 380, 411 भादवि से सम्बन्धित एक नफर वांछित अभियुक्त बबुन्दर उर्फ गांगुली पुत्र किशुन, निवासी कुरछा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 24 वर्ष को गिरफ्तार कर अभियुक्त उपरोक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** 1. बबुन्दर उर्फ गांगुली पुत्र किशुन, निवासी कुरछा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 24 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** अभियुक्त उपरोक्त के कब्जे 06 अदद एंड्राइड मोबाइल व नगद 520 रुपया बरामद । **अभियुक्त का आपराधिक इतिहास-** 1. मु0अ0सं0-76/2018 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 2. मु0अ0सं0-170/2017 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 3. मु0अ0सं0-61/2020 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र । 4. मु0अ0सं0-62/2021 धारा 323, 325, 504, 506 भादवि, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र । **गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-** 1. प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 2. उ0नि0 मनोज कुमार राय, थाना चोपन,जनपदसोनभद्र । 3. मुख्य आरक्षी दिलीप कुमार, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 4. आरक्षी सुभाष भारती, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।

सासंद के बेटे ने शराब के नशे मे पुलिस को दी धमकी 112 नम्बर पर फर्जी सुचना देकर पुलिस को किया भ्रमित

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। कराना है कि चौकी प्रभारी रेनूसागर, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र को फोन पर खुद को सांसद पकौड़ी लाल कोल का लड़का आनन्द बताकर पुलिस के कार्य में बाधा डालना, धमकी देना व शराब पीकर 112 पर फोन कर फर्जी सूचना देकर पुलिस व प्रशासन को अनायास बार-बार परेशान करने के सम्बन्ध में 02 नफर अभियुक्तगण 01. राणा कुमार पुत्र सीताराम भारती, निवासी रेहटा, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र 2. श्रवण कुमार तिवारी पुत्र सच्चिदानन्द तिवारी, निवासी गरबन्धा रेनूसागर, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गयी । उपरोक्त प्रकरण में अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है ।

बोलेरो के धक्के से दो घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत डाला बाजार मे वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर स्थित सरकारी शराब की दुकान के सामने मंगलवार को शाम लगभग छं बजे चोपन से डाला की ओर आ रही तेज रफ्तार

बोलेरो ने बाइक सवार को धक्का मार दिया जिससे बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पार कर रहे अजय गुप्ता उम्र लगभग 45 वर्ष निवासी बैढ़न, मध्य प्रदेश गंभीर रूप से घायल हो गए । वही बोलेरो के धक्के से बाइक सवार भी घायल हो गया बाइक सवार रामदास उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र रामकुमार लंग़ड़ा मोड , डाला,थाना चोपन बताया गया । बोलेरो मौका देख मौके से फरार हो गया । स्थानीय लोगों की मदद से दोनो घायलो को नजदीकी निजी चिकित्सालय भेजा गया जहां उपचार के दौरान घायल अजय गुप्ता की गंभीर स्थिति को देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया गया ।

वर्षो से लग रही सब्जी मंडी को खाली कराने पहुचा रेलवे लोगो मे आक्रोश

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। नगर के रामलीला मैदान में वर्षों से चल रही सब्जी मंडी को हटाने के लिए रेलवे पूरी फोर्स के साथ मंगलवार को रामलीला मैदान में आ धमकी। एक दिन पहले अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम देने के बाद मंगलवार को रेलवे अचानक जगह खाली करने का फरमान जारी कर दिया लोगों का कहना था कि वर्षों से उनके परिवार की गुजर बसर उक्त स्थान पर फल और सब्जियां बेचकर हो रही है यदि रेलवे उन्हें यहां से हटाता है तो वे कहां जाकर व्यवसाय करेंगे। उनके सामने रोजी-रोटी का संकट

विभाग के अधिकारी आरपीएफ के साथ मौके पर पहुंचे। टीम के समझाने के बाद भी जब कुछ लोग वहां से हटने को राजी नहीं हुए तो टीम ने अतिक्रमण वाले स्थान पर जेसीबी से अतिक्रमण हटाने लगी इस पर लोगो मे आक्रोश व्याप्त हो गया। इस मामले की सूचना पर नगर के भाजपा नेता व समाजसेवी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने रेलवे और आरपीएफ के अधिकारियों से वार्ता कर मामले को शांत कराया।सब्जी विक्रेताओं का दावा है की नगर के रामलीला मैदान में सब्जी की मंडी 50 वर्ष से भी अधिक समय से लग रही है। रेलवे ने एक दिन पहले अल्टीमेटम जारी कर उत्पन्न हो जाएगा। बहरहाल भाजपा नेताओं व समाजसेवियों के हस्तक्षेप के बाद रेलवे ने अतिक्रमण हटाने का काम रोक दिया और सब्जी विक्रेताओं को पुनः सब्जी मंडी लगाने की अनुमति मिल गई। गौरतलब हो कि चोपन सब्जी मंडी में आसपास के दर्जनों गांवो के छोटे छोटे कृषक यहीं पर सब्जी बेचकर अपनी रोजी रोटी चलाते हैं जिसमें रेलवे के कर्मचारी भी उक्त सब्जी मंडी से ही सब्जी की खरीदारी करते हैं साथ ही नगर के लोग परंतु इधर कुछ दिनों से स्थानीय रेलवे प्रसाशन की भौंव इन गरिबों पर टेढ़ी हो गई है चर्चाओं की माने तो स्थानीय रेलवे में एक कर्मचारी अपने निजी लाभ के लिए रेलवे प्रशासन को भड़का रहा है।

डेब्यूटेंट अमनजोत कौर-दीप्ति शर्मा ने बिखेरा जलवा, भारत की ट्राई सीरीज में धमाकेदार जीत के साथ शुरुआत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। दीप्ति शर्मा (33 और तीन विकेट) और डेब्यूटेंट अमनजोत कौर (41) के बेहतरीन प्रदर्शन की मदद से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 इंटरनेशनल ट्राई सीरीज में विजयी शुरुआत की। भारतीय महिलाओं ने ईस्ट लंदन के बफैलो पार्क में खेले गए पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को 27 रन से मात दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण स्वीकार किया और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 147 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 120/9 का स्कोर बना सकी। डेब्यू मैच में नाबाद 41 रन की पारी खेलने वाली अमनजोत कौर को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। भारतीय महिला टीम अपना अगला मुकाबला सोमवार को वेस्टइंडीज महिला के खिलाफ खेलेंगी। दीप्ति-वैद्य की धारदार गेंदबाजी 148 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। दीप्ति शर्मा ने पारी के दूसरे ओवर में ओपनर लौरा वोलवार्ट (6) का कैच अपनी ही गेंद पर पकड़ा। पांचवें ओवर में राजेश्वरी गायकवाड़ ने एनेके बोश (2) को यादव के हाथों कैच आउट कराकर प्रोटियाज को दूसरा झटका दिया। यहां से मारिजाने कैप (22) और कप्तान सुन लुस (29) ने तीसरे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। देविका वैद्य ने कैप को राणा के हाथों कैच आउट कराकर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। कप्तान लुस दुर्भाग्यशाली रही और रन आउट होकर डगआउट लौट गईं।देविका वैद्य ने डेलमी टकर को पहली ही गेंद पर बोल्ड करके दक्षिण अफ्रीका को बैकफुट पर धकेल दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 64 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। तब क्लोए ट्रायोन (26) और नादिने डी क्लर्क (16) ने छठे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। यादव ने ट्रायोन को एलबीडब्ल्यू आउट करके भारत की वापसी कराई। राणा ने क्लर्क को बोल्ड कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 120/9 का स्कोर बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। देविका वैद्य ने दो जबकि राजेश्वरी गायकवाड़, स्नेह राणा और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका द्वारा पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान स्मृति मंधाना (7) खाका की गेंद पर मिड ऑफ में ट्रायोन को कैच थमाकर डगआउट लौट गईं। हरलीन देओल (8) रन आउट हुईं। जेमिमा रॉड्रिग्ज खाता भी नहीं खोल पाईं और मलाबा की गेंद पर विकेटकीपर जाफता को कैच थमा बैठीं। यस्तिका भाटिया (35) ने एक छोर पर खड़े रहकर कुछ अच्छे शॉट्स खेले। उन्होंने देविका वैद्य (9) के साथ चौथे विकेट के लिए 26 रन जोड़कर टीम को 50 रन के पार पहुंचाया। टकर ने भाटिया को क्लीन बोल्ड कर दिया। देविका वैद्य को मलाबा ने अपना दूसरा शिकार बनाया। भारत ने 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। फिर अनुभवी दीप्ति शर्मा (33) और डेब्यूटेंट अमनजोत कौर (41) ने मोर्चा संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी करके भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शर्मा आउट होने वाली आखिरी बल्लेबाज रही। कैप की गेंद पर उन्होंने खाका को कैच थमाया। दीप्ति ने 23 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। अमनजोत कौर ने 30 गेंदों में सात चौके की मदद से नाबाद 41 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मलाबा ने दो जबकि कैप, खाका और टकर को एक-एक विकेट मिला।

धोनी ने जड़े चौके-छक्के, गेंदबाज के छूटे पसीने; आईपीएल 2023 के लिए तैयार सीएसके के कप्तान का देंखे वीडियो

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 (घ्ध्य् 2023) के लिए एमएस धोनी (शए अ्दहग्)ने अभी से पसीना बहाना शुरू कर दिया है। आईपीएल के अगले सीजन की शुरुआत से पहले धोनी ने ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहाया। धोनी का बल्लेबाजी करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ण्एख् के कप्तान बल्लेबाजी सत्र के दौरान पावर हिटिंग करते हुए नजर आए। बता दें कि पिछले दो वर्षों में आईपीएल के सीजन में धोनी की बल्ला खामोश रहा है। धोनी अब खतरनाक बल्लेबाज नहीं माने जाते। उसी के लिए 41 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने बल्लेबाजी में धार लाने के लिए अभी से प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने लगे हैं। अन्य क्रिकेटरों के विपरीत, धोनी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं और उम्र भी उनके पक्ष में नहीं है। धोनी की बल्लेबाजी उनकी फिटनेस पर केंद्रित रहती है। इसके चलते धोनी ने प्रैक्टिस शुरू कर दी धोनी का बल्लेबाजी करते हुए वीडियो हुआ वायरल वायरल हुए वीडियो में धोनी बल्लेबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह ट्रेनिंग सत्र के दौरान खूब पसीना बहाते हुए नजर आए। साथ अपने शॉट सेलेक्शन पर भी काम किया। बता दें कि सीएसके के प्रबंधन कोच स्टीफन फ्लेमिंग और कप्तान धोनी के नेतृत्व में फरवरी या मार्च में चेन्नई में एक विशेष शिविर आयोजित कर सकता है। इसमें खिलाड़ी ट्रेनिंग ले सकते हैं।गौरतलब हो कि 2023 आईपीएल धोनी का आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है। धोनी ने चेपॉक में अपना आखिरी आईपीएल खेलने की बात बहुत पहले ही कह चुके हैं। ऐसे सीएसके प्रबंधन उनके जाने के बाद टीम की कप्तानी के रूप में विकल्प तलाश रही। आईपीएल मिनी ऑक्शन में बेन स्टोक्स को खरीद कर इसके एक संकेत दिए हैं। वहीं, कप्तानी के लिए रितुराज गायकवाड़ का भी नाम चर्चा में है।

क्या होता है जब गेंद की स्पीड 150 किलोमीटर प्रतिघंटे हो जाती है, शोएब अख्तर ने किया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर अपनी तेज गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। शोएब अख्तर ने अपने करियर में 161 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से गेंदबाजी की है, इस रिकॉर्ड को अभी तक कोई तोड़ नहीं पाया है। शोएब अख्तर को रावलपिंडी एक्सप्रेसठ के रूप में भी जाना जाता है। उनका उदाहरण क्रिकेट जगत में उभरते तेज गेंदबाजों को दिया जाता है जो तेज गेंदबाजी की कला सीखना चाहते हैं। टीम इंडिया में उमरान मलिक के उभरने के साथ, भारत में भी अतिरिक्त तेज गेंदबाजों पर ध्यान तेजी से बढ़ा है। शोएब अख्तर का ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वह अपनी तेज यॉर्कर गेंद से बल्लेबाजों को बोल्ड करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद वीडियो के दूसरे हिस्से में अख्तर एक बॉलिंग मशीन के साथ दिखाई देते हैं। इसमें वह बताते हैं कि 100 मील प्रति घंटे (160 किमी प्रति घंटे) की गेंद का सामना करते हुए कैसा लगता है, इसकी जानकारी दे रहे हैं। ब्रेट ली और अख्तर में होती प्रतिस्पर्धा बता दें कि एक समय ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली और अख्तर के बीच तेज गेंदबाजी करने के लिए बड़ी प्रतिस्पर्धा दिखाई देती थी। ब्रेट ली ने करियर की सबसे तेज गेंद 160.8 किमी प्रति घंटे (99.9 मील प्रति घंटे) की थी जो उन्होंने 2005 में न्यूजीलैंड के खिलाफ फेंकी थी। वहीं, शोएब अख्तर ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 2003 क्रिकेट विश्व कप के दौरान एकदिवसीय मैच में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज निक नाइट को 161.3 किमी प्रति घंटे (100.2 मील प्रति घंटे) की गेंद फेंकी।दिलचस्प बात यह है कि अख्तर के नाम क्रिकेट इतिहास में अब तक की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 2003 क्रिकेट विश्व कप के दौरान एकदिवसीय मैच में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज निक नाइट को 161.3 किमी प्रति घंटे (100.2 मील प्रति घंटे) की गेंद फेंकी। यह उनके पहले ओवर की आखिरी गेंद थी, जिसने अपनी पहली पांच गेंदों में 153.3 किमी प्रति घंटे, 158.4 किमी प्रति घंटे, 158.5 किमी प्रति घंटे, 157.4 किमी प्रति घंटे और 159.5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से इंग्लैंड के बल्लेबाज को परेशान किया था।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने की भविष्यवाणी कहा- आने वाले समय में कम होंगे वनडे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट के भविष्य पर युवराज सिंह ने सवाल उठाए थे। इसके बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने भी इसको लेकर अपने विचार साझा किए हैं। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि आने वाले समय में वनडे प्रारूप कम हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल टी20 और टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उथप्पा संयुक्त अरब अमीरात में घ्ळथ्20 के पहले सीजन में दुबई कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। शारजाह में गल्फ जायंट्स के खिलाफ मैच में गुरुवार शाम को वह मैदान पर उतर सकते हैं। उन्होंने टी20 लीगों में वृद्धि के कारण वनडे क्रिकेट के भविष्य पर अपने विचार साझा किए।रॉबिन उथप्पा ने कहा, आने वाले समय में, हम वनडे क्रिकेट में कमी देखेंगे, और सिर्फ टी20 और टेस्ट क्रिकेट सामने आएंगे, और शायद टी10 क्रिकेट भी देखने को मिले। क्योंकि यह बहुत सारे युवा देशों को क्रिकेट से परिचित कराने का एक शानदार प्रारूप है।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि क्रिकेट विकसित हो रहा है और यह काफी आगे बढ़ रहा है, जो शायद फुटबॉल की दिशा में भी है जो इतने दशक पहले हुआ था और समय के साथ आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की तुलना में अधिक लीग देखेंगे। आप टी20 को क्रिकेट के भविष्य के रूप में देख सकते हैं।उथप्पा ने कहा, नहीं, मुझे लगता है कि खेल उस दिशा में विकसित हो रहा है। लेकिन यह दर्शकों की संख्या भी है, जो तय करती है कि क्या अधिक लोकप्रिय होने जा रहा है और क्या विकसित होने जा रहा है।

साउथ अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हाशिम अमला ने लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। साऊथ अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी हाशिम अमला ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। 39 साल के हाशिम अमला ने कहा कि, मैं सभी खिलाड़ियों और टीम सदस्यों को उनके समथर्न के लिए धन्यवाद देता हूं। साथ ही टीम को शुभकामनाएं देता हूं कि वह बहुत सारी उपलब्धियां हासिल करें। बता दें कि अमला दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाजा रहे अमला ने 124 टेस्ट में 46.64 की औसत से 9,282 रन बनाए। वह जैक्स कैलिस के 13,206 के बाद दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2004 से 2019 तक साउथ अफ्रीका के लिए सभी प्रारूपों में 18,672 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 27 एकदिवसीय शतक बनाए। इस रिकॉर्ड को अभी तक कोई साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। वह आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेल चुके हैं गौरतलब हो कि 2012 में द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ अमला ने नाबाद 311 रन की पारी खेली थी। यह दक्षिण अफ्रीका के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। वह सरे टीम का हिस्सा थे, जिसने 2022 में काउंटी चैंपियनशिप जीती थी। अमला ने 181 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 49.46 से 8113 रन बनाए। वहीं, 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33.60 के औसत से 1277 रन बनाए। अमला ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर में 19,521 रन बनाए।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेक स्टीवर्ट, जिन्होंने सरे काउंटी क्रिकेट क्लब में अमला के साथ काम किया, ने उन्हें खेल का एक खिलाड़ी महान बताया। उन्होंने कहा, ठसरे काउंटी क्रिकेट क्लब में हर कोई हाशिम के संन्यास लेने से दुखी होगा, लेकिन हम सभी एक शानदार करियर की सराहना करते हैं। हाशिम एक शानदार क्रिकेटर और एक अद्भुत व्यक्ति हैं। वह टीम के लिए मैदान पर और बाहर हमेशा मौजूद रहे, युवा क्रिकेटरों ने उनसे बहुत कुछ सीखा।

गुजरात के खिलाफ बनाया सबसे कम स्कोर के बचाव का नया भारतीय रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। के एलीट ग्रुप ३ के एक लीग मुकाबले में विदर्भ की टीम ने इतिहास रच दिया। विदर्भ ने गुजरात के खिलाफ सबसे कम स्कोर का बचाव करते हुए नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया है। गुजरात की टीम विदर्भ द्वारा दिए गए 73 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा नहीं कर सकी और सिर्फ 54 रन पर ऑलआउट हो गई और 17 रन से मुकाबला गंवा दिया। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, यह भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे कम स्कोर के बचाव का रिकॉर्ड है। इससे पहले यह रिकॉर्ड बिहार के नाम था। बिहार ने 1948-49 में जमशेदपुर में दिल्ली के खिलाफ 78 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया था। स्पिनर आदित्य सरवटे ने लिए 6 विकेट विदर्भ और गुजरात के बीच यह मैच नागपुर के जामथा मैदान में खेला गया। विदर्भ के लिए इस जीत के हीरो बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य सरवटे रहे, जिन्होंने दूसरी पारी में सिर्फ 17 रन देकर छह विकेट झटके। उन्होंने पहली पारी में भी पांच विकेट लिए थे।इससे पहले बुधवार को गुजरात के बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई ने छह विकेट लेकर विदर्भ को दूसरी पारी में सिर्फ 254 रन पर रोक दिया था। उस समय ऐसा लगा था कि गुजरात इस मैच को आसानी से जीत जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज तक इस दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को पूरी तरह फिट होने की उम्मीद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श को उम्मीद है कि वो मार्च में भारत के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज तक फिट हो जाएंगे। मार्श ने हाल ही में एड़ी की सर्जरी कराई थी और इससे उबरने में जुटे हुए हैं। 31 साल के मार्श को पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के दौरान एड़ी में परेशानी हुई थी। इसके बाद दिसंबर में वो बिग बैश लीग से बाहर हुए और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। मिचेल मार्श ने अपनी रिकवरी शुरू की और बुधवार को पहली दौड़ लगाई। ऑलराउंडर को उम्मीद है कि वो भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। मार्श ने फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में कहा, 'पहला दौड़ने वाला सत्र आज था। मैदान पर लौटकर बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। यह आसान होने के साथ-साथ कठिन भी था। मुझे कुछ काम भी करना है। उम्मीद है कि अगले छह सप्ताह में ठीक हो जाऊंगा।'उन्होंने आगे कहा, 'मेरा भारत दौरे पर वनडे सीरीज पर ध्यान लगा है। यह हमारे लिए आखिरी घरेलू वनडे होगा और फिर मुझे उड़कर जाना रहेगा, जो कि शानदार है।' मार्श ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी भारत दौरे से पहले अपनी फिटनेस साबित करने पर तुले हुए हैं। मैक्सवेल ने कहा कि वो सप्ताह दर सप्ताह अपनी प्रगति पर ध्यान दे रहा हूं और बीबीएल सत्र समाप्त होने से पहले वो लौट आएंगे। मैक्सवेल ने कहा, 'हमारा भारत दौरा आने वाला है। मैं खुद को इसके लिए तैयार करने को लेकर काफी उत्सुक हूं। मैं वहां रहूंगा या नहीं, ये तो वक्त ही बताएगा। मगर मेरे नियंत्रण में जो है, उसके रहते फिट होने की पूरी कोशिश करूंगा। मेरे पास वापसी करने का समय है।' ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा 9 फरवरी से शुरू होगा। 17 मार्च, 19 मार्च और 22 मार्च को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे मैच खेले जाएंगे। मैक्सवेल ने कहा, 'हमारा भारत दौरा आने वाला है। मैं खुद को इसके लिए तैयार करने को लेकर काफी उत्सुक हूं। मैं वहां रहूंगा या नहीं, ये तो वक्त ही बताएगा। मगर मेरे नियंत्रण में जो है, उसके रहते फिट होने की पूरी कोशिश करूंगा। मेरे पास वापसी करने का समय है।

सुपर-6 ग्रुप में पहुंची भारतीय टीम, स्कॉटलैंड को हराकर हासिल की तीसरी जीत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विश्व कप के पांचवें दिन भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार रहा। तीनों टीमों ने अपने-अपने ग्रुप में बड़ी जीत हासिल की थी, जबकि बांग्लादेश ने भी अपनी तीसरी जीत से टूर्नामेंट को और भी रोचक बना दिया है। गौरतलब हो कि भारत तीन मैचों में तीन जीत हासिल कर चुका है। इसके साथ ही भारत सुपर सिक्स में पहुंच गया। भारत ने बेनोनी में खेले गए तीसरे मैच में स्कॉटलैंड को 85 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया था।जी त्रिशा ने 51 गेंद पर 57 रन का पारी खेली। कप्तान शेफाली वर्मा ने निराश किया। वह 1 रन बनाकर आउट हुई। सोनिया मेहदिया ने 6 रन बनाए। रिचा घोष ने 33 रन की पारी खेली। कैथरीन फ्रेजर ने 31 रन देते हुए 2 विकेट लिए। जबकि, नईमा शेख और ओर्ला मोंटगोमरी को एक-एक विकेट मिले। भारत ने स्कॉटलैंड को 152 रन का लक्ष्य दिया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाजों ने ठोस शुरुआत की। आइला लिस्टर (14 गेंद में 14) और डार्सी कार्टर (22 गेंद पर 24) ने पहले पावरप्ले में विकेट खोया। स्कॉटलैंड ने अपने खेल से यह बता दिया कि वह अंडरडॉग टीम नहीं है।इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद कोई अन्य बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। भारतीय गेंदबाजी के आगे स्कॉटलैंड की पूरी टीम केवल 13.1 ओवरों में 66 रन पर ऑल आउट कर हो गई। मन्नत कश्यप ने चार ओवर में 4/12 के साथ बेहतरीन गेंदबाजी की। जबकि अर्चना देवी के 3/14 ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सोनम यादव ने अपनी सात गेंदों में 2/1 लिया। भारत ग्रुप-३ में शीर्ष पर रहा। भारत ने इस जीत के साथ ही सुपर-6 में जगह बना ली है।

चिली को 14-0 से रौंदकर नीदरलैंड क्वार्टर फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम की उम्मीदें कायम

(आधुनिक समाचार सेवा)

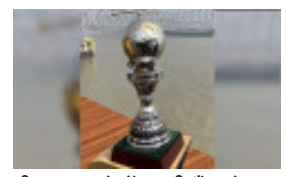

नई दिल्ली। हॉकी विश्व कप में तीन बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड्स ने ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए कलिंग स्टेडियम में पूल सी के अंतिम मुकाबले में चिली को 14-0 से पराजित कर सेमीफाइनल का टिकट थाम लिया। विश्व कप में किसी भी टीम की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। नई दिल्ली में 2010 में आयोजित विश्व कप हाकी में ऑस्ट्रेलिया ने द. अफ्रीका पर 12-0 से जीत दर्ज की थी। इस जीत के साथ नीदरलैंड विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मलेशिया ने कलिंग स्टेडियम में खेले गए अंतिम लीग मुकाबले में न्यूजीलैंड को 3-2 से पराजित कर क्रासओवर मैच खेलने का हक हासिल कर लिया। इसी के साथ पूल सी में वह छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर आ गया। नीदरलैंड्स की टीम शीर्ष पर है और उसका क्वार्टर फाइनल में सीधा जाना तय माना जा रहा है। उधर, मलेशिया को पूल डी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से 22 जनवरी को खेलना होगा। न्यूजीलैंड और चिली का विश्वकप में सफर पर विराम लग गया है। वहीं, शुक्रवार को पूल ए में शीर्ष पर चल रही ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला द. अफ्रीका से होगा। वहीं, फ्रांस अर्जेंटीना से, बेल्जियम का जापान से और द. कोरिया जर्मनी से भिड़ेगा।

सम्पादकीय

पश्चिमी संस्थानों के संदिग्ध रवैये की पुष्टि, केस स्टडी से साबित हुआ इनका भारत के प्रति दुराव

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने हाल में एक केस स्टडी जारी की है। यह विचार-केंद्रित तीन सूचकांकों- फ्रीडम हाउस के फ्रीडम इन द वर्ल्ड इंडेक्स, ईआइयू डेमोक्रेसी इंडेक्स और वैरायटी आफ डेमोक्रेसी (वी-डेम) की रपट पर आधारित है। इन सूचकांकों पर यह इस प्रकार का पहला आधिकारिक अध्ययन है, जिसमें नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद इन थिंक टैंकों द्वारा ये सूचकांक बनाने और अपने निष्कर्ष निकालने में अपनाई गई संदिग्ध पद्धति को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। इस पत्र के अनुसार ये सूचकांक तमाम आर्थिक संकेतकों के अतिरिक्त गवर्नेंस, राजनीतिक स्थिरता और विधि के शासन इत्यादि पहलुओं पर आधारित होते हैं, किंतु इनकी आकलन पद्धति में भारी विसंगतियां हैं। ये निष्कर्ष कुछ 'गुमनाम विशेषज्ञों' की राय पर आधारित होते हैं। इनमें पारदर्शिता का अभाव तो होता ही है और अपने अभीष्ट की पूर्ति से जुड़े प्रश्न किए जाते हैं।प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल और आर्थिक मामलों के विभाग में उप-निदेशक आकांक्षा अरोड़ा द्वारा लिखी इस रिपोर्ट को वी-डेम के निदेशक स्टेफन लिंडबर्ग ने खारिज किया है, लेकिन अपनी पद्धति और निष्कर्षों के पक्ष में दिए गए उनके तर्क संतोषजनक नहीं लगते। उदाहरण के लिए वी-डेम चुनिंदा विशेषज्ञों की राय के आधार पर रेटिंग तय करता है। कई बार यह संख्या 30 से अधिक नहीं होती। एक सवाल यह भी है कि करीब 140 करोड़ की आबादी वाले भारत के लोकतंत्र की रेटिंग तय करते समय क्या कुछ प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया पर ही ऐसा करना उचित होगा।

इन विशेषज्ञों को लेकर कुछ गंभीर सवाल इस वजह से भी उठते हैं कि अमूमन उनके प्रश्न व्यक्तिपरक होते हैं, जबकि निदेशक का दावा है कि उनका विश्लेषण व्यापक आंकड़ों पर आधारित होता है। न केवल वी-डेम, बल्कि ऐसा सर्वे और रेटिंग करने वाले अन्य संस्थान भी अपने विशेषज्ञों को लेकर गोपनीयता बरतते हैं। इस पर लिंडबर्ग का कहना है कि वह करीब 180 देशों के विशेषज्ञों के साथ काम करते हैं और पहचान सार्वजनिक करने से उनकी एवं उनके परिवारों की सुरक्षा को लेकर जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। हालांकि, जब वी-डेम महज 30 विशेषज्ञों की राय के आधार पर भारत को 'चुनावी तानाशाही' करार देता है तो इस पर कैसे विश्वास किया जा सकता है? स्वाभाविक है कि इस पर हमेशा संदेह रहेगा।

भाजपा की ओर अंगुली उठाते हुए वी-डेम ने भारत को ब्राजील, हंगरी, पोलैंड, सर्बिया और तुर्की जैसे उन देशों के साथ श्रेणीबद्ध किया है, जो 'बहुलतावादी-विरोधी' पार्टियों के शासन में 'चुनावी तानाशाही' में परिवर्तित हो रहे हैं। हम दूसरे देशों को लेकर तो कुछ नहीं कह सकते, लेकिन भारत में कोई भी राजनीतिक दल जिसे जरा भी चुनावी समर्थन शामिल हो, उसे बहुलतावाद-विरोधी नहीं कहा जा सकता। यह बात भाजपा सहित सभी दलों पर लागू होती है। ऐसे में भारतीय संदर्भ में वी-डेम का यह दावा हास्यास्पद है, क्योंकि कोई भी राजनीतिक या समाज विज्ञानी देख सकता है कि भारत की सामाजिक विविधता ने किस प्रकार राजनीतिक विविधता को विस्तार दिया है। यही कारण है कि देश भर में जाति, भाषा और क्षेत्रीय आधार पर छोटे-छोटे दल उभर आए हैं। देश के दूसरे आम चुनाव में ही 12 राजनीतिक दलों के सांसद चुनकर आए थे। चार दशक बाद यह सूची 40 दलों तक पहुंच गई। वास्तव में पिछली सदी के नौवें दशक से ही भारत में जनता दल, तेलुगु देसम पार्टी, बीजू जनता दल और तृणमूल कांग्रेस जैसे तमाम क्षेत्रीय दल अस्तित्व में आते गए। इनमें बीजद और तृणमूल जैसे दल तो अपने-अपने प्रभाव वाले राज्यों में दबदबा बनाए हुए हैं। इतना ही नहीं, भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियों ने भी इन क्षेत्रीय दलों के महत्व को समझते हुए उनके साथ कई राज्यों में गठजोड़ किया है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग में ही कई दलों का जमावड़ा है। भाजपा के वर्चस्व के बावजूद गठबंधन में इन दलों का अपना भी अहम वजूद है।

ऐसे में भाजपा पर बहुलतावाद-विरोधी पार्टी का आरोप कहीं नहीं टिकता। असल में यह किसी एक राजनीतिक दल से अधिक भारत पर लगा मिथ्या आरोप है।

भविष्य को समझने वाले नेता नरेन्द्र मोदी, उनकी आधुनिक दृष्टि में प्रकृति और मनुष्य की रचनात्मकता का सामंजस्य

जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर के व्याख्यान 'पालिटिक्स एज ए वोकेशन' के अनुसार एक प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तित्व में एक नेता और नायक, दोनों समाहित होते हैं। इसके साथ-साथ भविष्य को पहचानना और समय के आगे रहना ऐसे व्यक्तित्व को असाधारण बना देता है। संगठनात्मक कुशलता से जुड़े कई ऐसे उदाहरण इस बात की गवाही देते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाकई समय से आगे चलते हैं। इन उदाहरणों का जिक्र मेरी पुस्तक 'द आर्किटेक्ट आफ द न्यू बीजेपी' में है, पर इनसे अलग उनके व्यक्तित्व के कई ऐसे अनछुए पहलू भी हैं। जैसे कि गुजरात में कई स्थानों पर जानवरों के लिए हास्टल बनाना और लगातार उनके इलाज के लिए कैंप करना। सूरत के पास इसी तरह के एक कैंप में एक बार मेरा जाना हुआ। मेरे लिए जानवरों के इलाज के कैंप का प्रयोजन और उसमें राजनीतिक हित समझना मुश्किल हो रहा था। जाहिर है बेसहारा पशुओं, पक्षियों या पालतू जानवरों का राजनीति से कोई संबंध नहीं, फिर इतने बड़े आयोजन का उद्देश्य क्या है? यह सवाल मेरे मस्तिष्क में था। उस कैंप में अद्भुत नजारा दिखा, जो औद्योगिक प्रगति और शहरीकरण में मनुष्य और पशु के सह-अस्तित्व में सामंजस्य करता दिखाई दिया। आखिर इन प्रयासों का लाभ क्या है? इस प्रश्न का जवाब मुझे बाद में मिला। वास्तव में पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य की वजह से गुजरात में निरंतर दुग्ध उत्पादन बढ़ा। साथ ही कई वैसे रोगों का उन्मूलन हुआ, जो पशु से मनुष्य में फैलते थे। निःसंदेह यह पूरा प्रयास संकीर्ण राजनीति से अलग था। यह प्रकृति के साथ मनुष्य, वनस्पति और जीव-जंतुओं का समन्वय रखने का एक प्रयास था, जिसे वोट बैंक के चश्मे से नहीं देखा जा सकता।गुजरात एक अकेला प्रदेश है, जहां वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन के महती प्रयास हुए हैं। यह दिलचस्प है कि इस प्रयास की सफलता पर कई जगह संदेह किया गया। आज सौर ऊर्जा के बड़े-बड़े पैनल अहमदाबाद में दिखते हैं। इसी तरह पवन चक्की के बड़े पैनल समुद्रतटीय इलाकों में दिखाई देते हैं। लगभग दो दशक पहले जब देश के कई हिस्सों में राजनीति के केंद्र जाति एवं संप्रदाय थे, तब नरेन्द्र मोदी के इन प्रयासों को कौतूहल से देखा जाता था। आज उन प्रयासों की सार्थकता इस रूप में नजर आती है जब भारत का नाम वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में गिना जा रहा है। जाहिर है दो दशक पूर्व जिस पहल को संशय से देखा जा रहा था, आज उसकी स्वीकार्यता विश्वव्यापी है। जीवाश्म ईंधन के पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव की जानकारी अब सर्वविदित है। इसी तरह का एक प्रयास 2007 के विधानसभा चुनाव के पूर्व हुआ। गुजरात के कई क्षेत्रों में पानी की कमी थी, जिसमें प्रमुख रूप से कच्छ और सौराष्ट्र थे। सौराष्ट्र में पानी की समस्या अत्यंत गंभीर थी, जहां उत्तम खेती होती है। फसलों की सिंचाई के लिए भूजल का दोहन हो रहा था। बिजली सुधार के अपने प्रयासों के दौरान मोदी ने कृषि के लिए एक अलग फीडर की व्यवस्था की। इसके तहत कृषि के लिए लगभग चार घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। इस फैसले का बड़े किसानों के एक शक्तिशाली धड़े ने विरोध किया। पटेल समुदाय के लोग खासे नाराज थे। चुनाव से पहले इस तरह के फैसले के औचित्य पर पार्टी के अंदर ही सवाल उठने लगे, लेकिन नरेन्द्र मोदी अपने फैसले पर अडिग थे। यह कोई हठधर्मिता नहीं थी, बल्कि सवाल गुजरात के एक बड़े भाग को पर्यावरण संकट से बचाने का था। लगातार जलदोहन कच्छ और सौराष्ट्र को रेगिस्तान बना सकता था। इसलिए जलदोहन को रोकने के लिए यह जरूरी कदम था। साथ ही रियायती बिजली की खपत कम करके लोगों में भुगतान की आदत डालना भी इसका एक उद्देश्य था। निश्चय ही यह निर्णय उन राजनीतिक दांवपेचों से अलग था, जिसमें मुफ्त बिजली का वादा किया जाता है। इस निर्णय के दूरगामी प्रभाव थे, जिसका लाभ भविष्य की पीढ़ी को मिलना था। इसमें एक सीख भी निहित थी कि ऊर्जा का बेजा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन सभी निर्णयों को जनता ने कुछ समय बाद सराहा। उसका तात्कालिक लाभ भले न दिखा हो, पर आज की पीढ़ी को निःसंदेह फायदा हो रहा है। इन सभी तथ्यों के आलोक में सवाल यह उठता है कि नरेन्द्र मोदी आखिर किस तरह के नेता हैं? राजनीति विज्ञान के प्रख्यात अमेरिकी प्रोफेसर लायड रूडोल्फ और उनकी पत्नी सुसान रूडोल्फ का मानना है कि राजनीतिक व्यक्तित्व दो प्रकार के होते हैं- क्रांतिकारी और पारंपरिक राजनीतिज्ञ। क्रांतिकारी व्यक्तित्व फ्रांसीसी क्रांति अथवा रूस की बोल्शेविक क्रांति से प्रेरणा लेता है। सत्ता को समाज बदलने का औजार समझता है और हिंसा से परहेज नहीं करता। वहीं पारंपरिक राजनेता सत्ता के लिए सतत प्रयास करता है, क्योंकि उसकी प्रेरणा का आधार अमेरिकी और पश्चिमी यूरोपीय प्रजातांत्रिक व्यवस्था है। सत्ता पाना अहम उद्देश्य है, पर हिंसा उसका साधन नहीं है। महात्मा गांधी और उनके अनुयायियों को रूडोल्फ दंपती तीसरी श्रेणी में रखते हैं। समाज बदलना उनका प्रमुख ध्येय है, पर सत्ता के लिए एक संदेह का भाव भी होता है। साथ ही अहिंसा पर अडिग विश्वास होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए शायद एक चौथी श्रेणी उपयुक्त होगी। उन्होंने ऊपर की तीनों श्रेणियों के उचित गुणों को आत्मसात किया है। क्रांतिकारी, पारंपरिक राजनीतिज्ञ और गांधी के सिद्धांतों को समाहित करते हुए मोदी की एक अलग पहचान आधुनिकतावादी नेता की है। उनकी आधुनिकता में प्रकृति और मनुष्य की रचनात्मकता का सामंजस्य है। यही नरेन्द्र मोदी को महान नेताओं की श्रेणी में लाकर खड़ा करती है।

एक नई क्रांति के मुहाने पर दुनिया, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उद्भव बड़ा परिवर्तन

बीते वर्ष प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी प्रेस ने एक किताब छापी, 'यू आर नाट एक्सपेक्टेड टू अंडरस्टैंड दिस' यानी यह अपेक्षा नहीं कि आप इसे समझ ही लें। दिलचस्प शीर्षक और सामग्री की वजह से चर्चा का विषय बनी यह पुस्तक, जिसकी संपादक टोरी बाश हैं, हमारे वर्तमान और भविष्य पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस-एआइ) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों के प्रभाव का आकलन करती है। 1975 में जारी किए गए कंप्यूटरों के ओपन सोर्स आपरेटिंग सिस्टम 'यूनिक्स' के छठे संस्करण के लेखकों ने उसके कोड में एक दिलचस्प टिप्पणी डाली थी-आप इसे समझ लें, यह आशा नहीं। यह उस कोड की चमत्कारिक क्षमताओं की घोषणा थी, क्योंकि यह आपरेटिंग सिस्टम अलग-अलग कंप्यूटरों पर एक साथ कई एप्लीकेशन चला सकता था। यहीं से नई तकनीक की वह यात्रा शुरू हुई, जो आज एलगोरिद्म के जरिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग तक आ पहुंची है।

उपेक्षित धरोहरों की सुध लेने का समय विरासतों पर गर्व की बातें नहीं, उनके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने का वक्त

ऐतिहासिक धरोहरें सभ्यता और संस्कृति की जीवंत दस्तावेज होती हैं, जिन्हें देख-पढ़कर हम अतीत के अनछुए पहलुओं का आकलन कर सकते हैं। ऐसी ही एक धरोहर का पता लगाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) दिल्ली स्थित पुराना किला की एक बार फिर खोदाई करने जा रहा है। इसके जरिये यह पता लगाया जाएगा कि पांडवों की राजधानी इंद्रप्रस्थ पुराना किला के टीले पर थी या नहीं। यह पहल स्वागतयोग्य है। स्मरण रहे कि भारत ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राष्ट्र है। यहां की प्राचीनता दुनिया को आकर्षित करती है। भारतवर्ष की सामाजिक-सांस्कृतिक धारा प्राचीन काल से ही अविरल रूप से चली आ रही है। भारत की इस अति प्राचीन सांस्कृतिक धारा की प्रत्यक्ष अनुभूति हमें अपनी ऐतिहासिक धरोहरों एवं पुरातात्विक अवशेषों को देखकर होती है। ऐतिहासिक धरोहरों में मुख्य रूप से स्थापत्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण भवन, शिलालेख, अभिलेख, स्तंभ, स्मारक, समाधि-स्थल, दुर्लभ चित्र, मंदिर, महल, मूर्तियां, किले और मकबरे आदि आते हैं। ये हमें हमारी जड़ों एवं गौरवशाली परंपराओं से जोड़ते हैं। इन्हें देखकर हम तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं आर्थिक स्थितियों एवं व्यवस्थाओं का सहज अनुमान लगा सकते हैं। साथ ही सभ्यता के ज्ञात एवं उपलब्ध इतिहास के भी पार झांक सकते हैं। यही कारण है कि हर सजग देश अपनी ऐतिहासिक धरोहरों की विशेष देखभाल करता है, परंतु दुर्भाग्य से अपने देश में ऐतिहासिक महत्व की इन धरोहरों के संरक्षण में घोर लापरवाही का मामला संज्ञान में आया है। निःसंदेह ऐसी उपेक्षा के लिए सरकारें अधिक उत्तरदायी होती हैं, परंतु अपनी इन ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति नागरिक-समाज की उदासीनता भी कचोटती है।संप्रति देश भर में ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के 3,693 स्मारक हैं, जिन्हें केंद्र सरकार संरक्षित करती है। इनमें से 50 गायब हो गए हैं। गत वर्ष केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा गठित संयुक्त संसदीय समिति की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया, '...यह गंभीर चिंता का विषय है कि एएसआइ के संरक्षण में राष्ट्रीय महत्व के कई स्मारक तेजी से गायब हो गए हैं। ये स्मारक शहरीकरण, जलाशयों और बांधों के पानी में जलमग्न होने के कारण खो गए हैं। कुछ स्मारकों की जगह नहीं मिलने और घने जंगलों में उन्हें खोज न पाने की वजह से भी गायब हो गए हैं।' इन लापता स्मारकों में 11 उत्तर प्रदेश के हैं। दिल्ली और हरियाणा के दो-दो स्मारक लापता होने वाले स्मारकों में शामिल हैं। इस सूची में असम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड के स्मारकों के भी नाम हैं। इन स्मारकों में से 14 तेजी से शहरीकरण के कारण खो गए हैं। वहीं 12 जलाशयों या बांधों की वजह से पानी में डूब गए और बाकी 24 की जगह को खोज पाना असंभव बताया गया है, क्योंकि ये अनट्रेसेबल (अप्राप्य) हैं। एएसआइ के अनुसार, 'आजादी के बाद सरकारों की प्राथमिकताएं स्वास्थ्य और विकास थीं, इसलिए विरासत की घोर उपेक्षा की गई। अब भी कई स्मारक देखभाल की कमी के कारण अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं।' अभी 3,693 संरक्षित स्थलों में से केवल 248 स्थलों पर 2,578 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। सभी संरक्षित स्थलों की सुरक्षा के लिए निश्चित ही अधिक कर्मियों की आवश्यकता होगी। उल्लेखनीय है कि 2013 में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग ने भी अपनी तरह के पहले भौतिक सत्यापन अभ्यास के पश्चात देश भर में 92 स्मारकों को 'लापता' घोषित किया था। कैग की रिपोर्ट में तब यह भी रेखांकित किया गया था कि एएसआइ के पास संरक्षित स्मारकों एवं कलाकृतियों का कोई लिखित ब्योरा नहीं है। स्मारकों के गायब होने का मामला 2017 में लोकसभा में भी उठा था। तत्कालीन केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा ने तब ऐतिहासिक एवं संरक्षित स्मारकों की विलुप्ति एवं अतिक्रमण के प्रश्न पर उत्तर देते हुए कहा था कि 'अरुणाचल में कापर टैंपल, असम के तिनसुकिया में शेरशाह की बंदूकें, दिल्ली में बाराखंभा और बंगाल के नदिया जिले में बमनपुकुर किले के खंडहर गायब हो चुके हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सकता। जिन स्मारकों का पता नहीं लगा है, उन्हें खोजने के लिए पुराने रिकार्ड का सत्यापन, रेवेन्यू मैप, प्रकाशित रिपोर्ट, भौतिक निरीक्षण और टीमों की तैनाती की गई है।' सुखद है कि कैग द्वारा लापता घोषित 92 स्मारकों में से 42 को पुनः ढूंढ लिया गया है। इसके लिए एएसआइ ने पिछले आठ वर्षों में 8,478 गांवों का सर्वेक्षण किया है। इन गांवों में 2,914 पुरातात्विक अवशेष पाए गए हैं, जिन्हें सहेजने का काम चल रहा है। अब तक 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित केंद्र संरक्षित स्मारकों एवं स्थलों से चोरी की 210 घटनाएं हुई हैं, जिनमें 486 वस्तुएं अपने स्थान से गायब हुईं, उनमें से 91 वस्तुएं बरामद कर ली गई हैं और अन्य की बरामदगी के प्रयास चल रहे हैं। सरकार को यह याद रखना होगा कि ये धरोहरें देश की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पहचान एवं गौरव की जीवंत प्रतीक हैं। ये अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाली कड़ी हैं। ये वर्तमान द्वारा भविष्य को सौंपी जाने वाली अमूल्य थाती हैं। इनका क्षरण देश की सभ्यता-संस्कृति का क्षरण है। इनका संरक्षण केवल जागरूकता एवं जिम्मेदारी का ही नहीं, अपितु यथोचित राष्ट्रभक्ति एवं सम्यक राष्ट्रबोध का भी विषय है।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

देश के सक्रीय कोविड मामले घटकर 1946 हुए, दैनिक संक्रमण दर में भी गिरावट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को अपडेट किए गए कोविड आंकड़ों के अनुसार, भारत ने पिछले 24 घंटे के दौरान 145 नए कोरोनो संक्रमण के मामले दर्ज किए हैं। जबकि सक्रिय मामले घटकर 1,946 हो गए हैं और कोविड मामले की संख्या 4.46 करोड़ (4,46,81,650) दर्ज हुई। सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों में मरने वालों की संख्या 5,30,728 है। अगर दैनिक पॉजिटिविटी रेट की बात करें को वो 0.08 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 0.08 प्रतिशत दर्ज हुई है। मंत्रालय ने कहा कि सक्रिय मामलों, कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत रह गया है, जबकि राष्ट्रीय रिकवरी दर बढ़कर 98.81 प्रतिशत हो गई है। पिछले 24 घंटे में सक्रिय कोविड-19 मामलों में 16 मामलों की कमी दर्ज की गई है। कोविड से ठीक होकर घर जाने वालों की संख्या बढ़कर 4,41,48,976 हो गई, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत रह गई है। 220.22 करोड़ लोगों की मिली कोविड वैक्सीन की खुराक मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड टीके की 220.22 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। भारत की टैली ने 7 अगस्त, 2020 को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, 5 सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख का आंकड़ा पार किया था। देश ने 4 मई को 2 करोड़ लोगों को वैक्सीन की खुराक दी थी वहीं, 23 जून को तीन करोड़ और पिछले साल 25 जनवरी को चार करोड़के लोगों को वैक्सीन की खुराक देकर एक नया रिकॉर्ड बनाया था।आपको बता दें, भारत में 7 अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और 5 सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 19 दिसंबर 2020 को एक करोड़ के पार चले गए थे। साल 2021 में 4 मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

विहिप के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने समरसता कार्यक्रम में अनुसूचित जाति के गोत्र के जांच की मांग की

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। के इन्नोवेटिव कॉलेज में विश्व हिन्दू परिषद की ओर से समरसता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश में

जाति-पाति, ऊंच-नीच, भेद-भाव को खत्म करना और नारी शक्ति को समाज में बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री विनायक राव देशपांडे ने शिरकत की। प्रान्त सहमंत्री राजकुमार डूंगर, आरएसएस के जिला संघचालक रणबीर जी,वीएचपी के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, प्रान्त समरस्ता प्रमुख ऋषि पाल, पूज्य संत सुशील महाराज और मुख्यतिथि एवं इन्नोवेटिव कॉलेज के डायरेक्टर देवाशीष मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ दीप्ति सिंह ने की। और मंच का संचालन नोएडा विभाग मन्त्री डॉ विकास पवार द्वारा किया गया। इस मौके पर मेरठ क्षेत्र के समरस्ता प्रमुख वीरेंद्र , प्रान्त सह सेवा प्रमुख उमानंद कौशिक और प्रान्त प्रचार प्रमुख अवधेश पांडेय समेत नोएडा महानगर और गौतमबुद्ध नगर के पदाधिकारी एवं कई सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख मौजूद रहे। बता दें कि राष्ट्रीय संगठन महामंत्री विनायक राव देशपांडे ने कार्यक्रम को संबोधित करते किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि किस तरह से देश के लोगों में जाति वाद, ऊंच नीच हावी होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जातिवाद को बढ़ावा देने वाले आगे नहीं बढ़ते बल्कि ये समाज को कुंठित कर देते हैं जोकि समाज के लिए घातक है। उन्होंने कई बड़े उदाहरण देते हुए कहा कि इसी तरह के भेदभावों की वजह से देश मे आज इस्लाम धर्म आज बड़े पैमाने पर है। इन्हीं भेदभावों की वजह से लोग धर्म परिवर्तन की ओर कदम रखते हैं। उन्होंने अपने सबोधन मे बताया कि किस तरह से जाति वाद की कुप्रथा को खत्म किया जा सकता है। इसके अलावा नारियों पर होने वाले अत्याचारों को लेकर उन्होंने कहा कि इस्लाम आने के बाद ही महिलाओं पर अत्याचार बढ़े। और इसी वजह से हिंदुओं में कुप्रथाओं की शुरुआत हुई। साथ ही देशपांडे ने अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के गोत्र की जांच करने की मांग की और कहा कि न कोई छोटी जाति का है और न कोई बड़ी जाति का। बता दें कि कार्यक्रम में 27 से अधिक हिन्दू धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। वहीं विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के लगभग दो सौ अधिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

25,000/- के ईनामिया अभियुक्त से हुयी पुलिस मुठभेड़

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस द्वारा एसकेएस वर्ल्ड स्कूल के सामने चैकिंग के दौरान एक स्पलेण्डर

मोटरसाइकिल (बिना नंबर प्लेट की) जिस पर दो व्यक्ति सवार थे, को चेकिंग के लिए पुलिस द्वारा रोका गया तो उक्त दोनों व्यक्ति वापस मुड़कर भागने लगे जिसपर पीछा करने पर दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल से उतरकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अवैध तमंचों से फायर करने लगे। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ हेतु फायर किया गया जिससे एक बदमाश अभियुक्त राजू पुत्र लल्लन नि0 ग्राम नंगला पंखियान उर्फ नंगला मस्जिद थाना मिर्जापुर जनपद शहाजहाँपुर के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिसको उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। घायल बदमाश के कब्जे से 01 अवैध तमंचा मय 01 खोखा कारतूस व 01 जिन्दा कारतूस, व 1100 डॉलर व एक मोटरसाईकिल स्पलेण्डर बिना नम्बर प्लेट के बरामद की गई है। उपरोक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल अभियुक्त 25,000/- रुपये का इनामी अभियुक्त है व अभि0 उपरोक्त थाना बीटा 2 से मु0अ0सं0 511/2022 धारा 395/412/34/120बी भादवि मे विगत 5 माह से वांछित चल रहा है । जिसका दूसरा साथी अन्धेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया है जिसकी गिरफ्तारी हेतु कॉम्बिंग की जा रही है। अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास व अन्य विस्तृत जानकारी की जा रही है।

अमरपाटन विधानसभा में मनाई गई शरद यादव की शोक श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। अमरपाटन विधानसभा में मनाई गई छात्र आंदोलनों से राष्ट्रीय राजनीति के शिखर तक की यात्रा करने वाले, महान समाजवादी नेता , सामाजिक न्याय एवं समता के सिपहसालार, पूर्व केंन्द्रीय मंत्री,जनता दल एवं जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्यनीय परम श्रध्देय स्वर्गीय शरद यादव की श्रद्धांजलि सभा,क्षेत्र के युवा साथियों द्वारा रखी गई थी। श्रद्धांजलि सभा में अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक एवं राजनैतिक व्यक्तियों ने अपने श्रध्दासुमन अर्पित करते हुए शरद यादव पर अपने विचार रखे। जिनमे प्रमुख थे सांसद प्रतिनिधि दिनेश शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सूरज गुप्ता, पूर्व जिला पंचायत प्रतिनिधि रूपनारायण पटेल, पूर्व सरपंच सियासरण पटेल, अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा

के ब्लाक अध्यक्ष अमरपाटन रामकुमार यादव, विजय यादव, भाजपा पि.व.मो.जि.मंत्री रामबकस यादव, भगवानदीन यादव, अखिलेश यादव , युवा वैश्य परिषद के अध्यक्ष शुभम गुप्ता, कालिका यादव, राहुल यादव, सुजीत जायसवाल, रजनीश यादव, प्रेमचंद्र यादव, बोहित यादव, बालकृष्ण यादव, मनीष शुक्ला, शिवा यादव, सुमन यादव।अखिलेश यादव युवा समाजसेवी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

2 वाहन चोर गिरफ्तार, कब्जे से 1 चोरी की मोटरसाइकिल व चोरी करने के औजार बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। थाना फेस 2 पुलिस ने अभियुक्त 1. आरुश उर्फ शुजात यादव पुत्र सुदेश उर्फ अमित यादव निवासी गांव महमूदपुर कीरत थाना

छिबरामऊ जिला कन्नौज हाल पता रामलीला मैदान जिला मैनपुरी उम्र 19 वर्ष 2. सरमन उर्फ आकाश पुत्र श्याम सिंह यादव निवासी नसबन्दी कालोनी सैक्टर 110 नोएडा थाना फेस 2 नोएडा गौतमबुद्धनगर मूल पता गांव महमूदपुर कीरत थाना छिबरामऊ जिला कन्नौज उम्र 20 वर्ष को रैडलाइट टी प्वाइन्ट सैक्टर 82 के पास से गिरफ्तार किये गये है, जिनके कब्जे से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित एक स्पलैंडर प्लस रजि0-यूपी 16 डीके 7437 व चोरी करने के औजार (प्लास तथा पेंचकस बरामद हुये । **घटना का विवरण-** दिनांक- 16.01.2023 को वादी मुकदमा द्वारा सूचना दी गयी कि वादी की गाडी स्पलैंडर प्लस रजि0--यूपी 16 डीके 7437 को चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना फेस 2 नोएडा पर मु0अ0स0 026/23 धारा 379 भादवि पंजीकृत किया गया जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुये अभियुक्तों की गिरफ्तारी/बरामदगी की गयी है। **गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-** 1. आरुश उर्फ शुजात यादव पुत्र सुदेश उर्फ अमित यादव निवासी गांव महमूदपुर कीरत थाना छिबरामऊ जिला कन्नौज हाल पता रामलीला मैदान जिला मैनपुरी उम्र 19 वर्ष 2. सरमन उर्फ आकाश पुत्र श्याम सिंह यादव निवासी नसबन्दी कालोनी सैक्टर 110 नोएडा थाना फेस 2 नोएडा गौतमबुद्धनगर मूल पता गांव महमूदपुर कीरत थाना छिबरामऊ जिला कन्नौज उम्र 20 वर्ष अभियुक्तों के विरुद्ध पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0 26/23 धारा 379/411भादवि थाना फेस नोएडा **अभियुक्तों से बरामदगी का विवरण** स्पलेण्डर प्लस मोटरसाइकिल रंग काला रजि0-यूपी 16 डीके 7437 ।

नोएडा शनि मंदिर में अमावस्या पर विशेष कार्यक्रम 21 को

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर 14 स्थित श्री शनि सिद्ध पीठ में शनि सेवा समिति द्वारा विशेष पूजा पाठ कार्यक्रम का आयोजन 21 जनवरी को किया जा रहा है। इस अवसर पर सुबह 10 बजे से देर शाम तक भजन-कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा और सुबह ग्रह शांति यज्ञ किया जायेगा। शनि सेवा समिति के अध्यक्ष मान सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि शनि अमावस्या के अवसर पर श्री शनि सिद्ध पीठ में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कोरोना आपदा को देखते हुए सावधानी का ध्यान रखा गया है। सभी भक्तों से कोरोना प्रोटोकॉल के तहत नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया की शनि अमावस्या पर शनि भगवान का अभिषेक करने से विशेष पुण्य मिलता है। मंदिर के पुजारी अशोक जी महाराज ने बताया कि यह अमावस्या इसलिए भी खास हो जाती है कि 22 जनवरी से शनि भगवान अपने मूल गृह में 30 वर्ष बाद प्रवेश कर रहे हैं। इस बदलाव के कारण तमाम राशियों पर प्रभाव पड़ेगा। नोएडा शनि मंदिर अब सिद्धपीठ हो चुका है, शनि मित्र कुबेर महाराज की स्थापना होने के बाद उनके मित्र हनुमान जी की पूजा का भी विशेष महत्व हो जाता है। पूरे एनसीआर में कुबेर भगवान का यह पहला मंदिर है। सिद्ध पीठ की विशेषता तब और भी ज्यादा बढ़ जाती है जब इसके निकट उनकी बहन यमुना एवं उनके भाई यमराज अर्थात शमशान घाट की निकटता इसके समीप है।

बैंक लोन फ्रॉड केस में वेणुगोपाल धूत को मिली राहत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। आईसीआईसीआई बैंक लोन घोटाला मामले में वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत को राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने वेणुगोपाल को अंतरिम जमानत दे दी है। बता दें कि सीबीआई ने उन्हें बीते साल दिसंबर में गिरफ्तार किया था।

1 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर, 2 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। थाना दादरी पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र के साथ अभियुक्त विकास पुत्र सुनीपाल निवासी ग्राम मायचा की मड़ैया थाना दादरी जनपद गौतमबुद्धनगर **पंजीकृत अभियोग का विवरण** मु0अ0स0

34/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना दादरीगौतमबुद्धनगर **बरामदगी का विवरण** 01 तमंचा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ।

जनपद गौतमबुद्धनगर को ग्राम मायचा के शमशान घाट के पास बने मंदिर के पास से गिरफतार किया गया है, कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर,02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद **अभियुक्त का विवरण** विकास पुत्र सुनीपाल निवासी ग्राम मायचा की मड़ैया थाना दादरी जनपद गौतमबुद्धनगर **पंजीकृत अभियोग का विवरण** मु0अ0स0

मैहर न पा अध्यक्ष द्वारा लगाया गया हितग्राही योजनाओं हेतु शिविर में पीएम स्वनिधि 10 हजार 20 हजार लोन के करीब 100 आवेदन लिए गये

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को आमजनता तक पहुचाने हेतु नगर पालिका परिषद मैहर द्वारा मंगलवार 18 जनवरी 2023 को रेस्ट हाउस के पास हितग्राही मूलक शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 1 वार्ड से 24 वार्डो के हिसाब से 6 डिवीजन में शिविर का आयोजन अलग अलग डेट में किया गया जा रहा है जिसमे 18 जनवरी 2023 को शिविर के माध्यम से वार्डवासियों को शासन के योजनाएं पीएम स्वनिधि (10 हजार 20 हजार लोन) के लिए फार्म भरे गए और सभी प्रकार के जैसे संबल, आयुष्मान, पेंशन एवं अन्य कार्य नगर पालिका परिषद मैहर द्वारा किया जा रहा कैंप के अंतर्गत 150 आयुष्मान कार्ड बनेंगे, और 70 संबल कार्ड बनेंगे, पीएम स्वनिधि के करीब 100 आवेदन लिए गए और पेंशन के 50 लिए गए नगर पालिका की ओर से बालेंद्र पांडे, स्वदीप सिंह, दीपक सिंह, धीरेंद्र पाठक, योगेंद्र शर्मा कैंप में कार्यकर्ता द्वारा कार्य किया जा रहा है,यह कैंप 3 दिन नई सब्जी मंडी और 3 दिन घंटाघर में लगाया जा चुका है, इस दौरान नगर पालिका की ओर से और जनप्रतिनिधि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति गीता संतोष सोनी, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी वार्ड 24 के पार्षद जितेंद्र पांडे, वार्ड 19 के पार्षद मनीष पाठक कैंप की देख रेख में मौजूद रहे। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी द्वारा सभी वार्डवासियों से अपील की गई है कि सरकार की योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा संख्या में उठाए।

सतेन्द्र शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। कॉंग्रेस के नेता एव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सदस्य सतेन्द्र शर्मा ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री एव मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के दिल्ली स्थित आवास पर शिष्टचार भेंट कर मध्यप्रदेश में होने वाले आगमी विधानसभा चुनावो पर विस्तृत चर्चा की। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि राहुल गाँधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा जनता की आवाज बन गई है हर प्रदेश जिलों में जनता ने भारत जोड़ो यात्रा का ऐतेहासिक स्वागत किया है । भाजपा के झूठे वादों से जनता त्राहिमाम त्राहिमाम कर रही है अब समय कॉंग्रेस पार्टी का है,आने वाले नौ राज्यो के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी,सतेंद्र शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मिलकर नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी एव चुनाव पर विस्तृत चर्चा हुई।

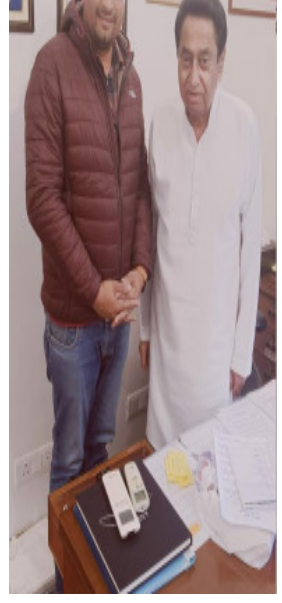

शक्ति महिला कवच सामाजिक एवं धार्मिक समूह ने किया सुन्दर काण्ड व भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर - 22 स्थित प्राचीन शिव मंदिर में आज शक्ति महिला कवच सामाजिक एवं धार्मिक समूह द्वारा संगीतमय सुन्दर काण्ड का

पाठ कर भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सेकड़ों श्रद्धांलुओं ने सुन्दर काण्ड पाठ में बदचड़ कर हिस्सा लिया वही सुन्दर काण्ड पाठ के बाद हुए भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर उपस्थिति श्रद्धालु प्रफुल्लित हो उठे। आपको बता दें महिला शशक्तिकरण की जीती जागती मिशाल ठशक्ति महिला कवच सामाजिक एवं धार्मिक समूहठ जो सामाजिक स्तर पर महिलाओं के उत्थान के साथ - साथ सनातन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न तरह के धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती हैं इसी क्रम में आज महिला सशक्तिकरण की संस्था शक्ति महिला कवच सामाजिक एवं धार्मिक समूह के द्वारा सेक्टर 22 के शिव मंदिर में सुंदरकांड कर भंडारे का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 लोग शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अंबिका दसवाना,कविता यादव, पिंकी यादव, रानी सिंह, कविता वोहरा, बबीता श्रीवास्तव,सोभा रानी,अलका रावत,अनिता रावत,शांति उन्याल,सुनीता कश्यप, ऊषा कटोच,सीमा गुगलानी, आदि महिलाओं ने सहयोग किया ।

आई केयर आई हॉस्पिटल के परीक्षण से सामने आया तथ्य, 50% ट्रक ड्राइवर दृष्टि दोष की समस्या से हैं ग्रस्त

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। भारत की सड़कों पर ट्रक चलानेवाले 50 फ़ीसदी से अधिक ड्राइवर किसी ना किसी तरह की दृष्टि दोष की समस्या से ग्रस्त हैं। इस चौंकानेवाले तथ्य का पता तब

चला जब नोएडा स्थित अस्पताल आई केयर आई हॉस्पिटल ने साइटसेवर्स इंडिया की मदद से 34,000 ट्रक ड्राइवरों की आंखों का परीक्षण किया। इनमें से 38ज़ ट्रक ड्राइवरों में नज़दीकी तौर पर देखने में समस्या पाई गई तो वहीं 8ज़ ट्रक ड्राइवरों को दूर की दृष्टी संबंधित समस्याओं से ग्रस्त पाया गया जबकि इनमें से 4ज़ लोग ऐसे थे जिनमें दूर और नज़दीक दोनों तरह का दृष्टि दोष था. उल्लेखनीय है कि इनमें से कोई भी ट्रक ड्राइवर चश्मे का इस्तेमाल करता हुआ नहीं पाया गया. नज़दीक की वस्तुओं को ठीक से नहीं देख पाने की समस्या से ग्रस्त ज़्यादातर लोगों की उम्र 36 से 50 के बीच थी। ग़ौरतलब है कि जिन लोगों में दूर की वस्तुओं को ठीक से नहीं देख पाने की समस्या पाई गई, उनमें से ज़्यादातर लोगों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच थी।इसे लेकर एन ए बी एच द्वारा प्रमाणित और 1993 में स्थापित नोएडा के सबसे पुराने और सबसे भव्य नेत्र चिकित्सा अस्पताल के तौर पर अपनी पहचान रखनेवाले अस्पताल आई केयर आई हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. सौरभ चौधरी ने कहा, ठएक नेत्र चिकित्सा अस्पताल होने के नाते हम इस बात से अच्छी तरह से वाकिफ़ हैं कि भारत में बड़ी तादाद में होनेवाले सड़क हादसों में ड्राइवरों में व्याप्त दृष्टि दोष की समस्या एक बड़ी वजह होती है। हमने जिन भी ट्रक ड्राइवरों ने नेत्रों की जांच की, वे इस बात से कतई वाकिफ़ नहीं थे कि उनमें किसी को भी किसी तरह का कोई दृष्टि दोष है. इतना ही नहीं, इनमें से किसी ने कभी भी अपनी आंखों का परीक्षण नहीं कराया था. ऐसे में उनके किसी हादसे का शिकार होने की प्रबल आशंका मौजूद थी। उल्लेखनीय है कि भारतीय सड़कों पर 90 लाख से भी ज़्यादा ड्राइवर ट्रक चलाते हैं. ज़मीनी स्तर पर किये गये हमारे अध्ययन के आंकड़ों के मुताबिक, अनुमानित तौर पर इनमें से आधे लोगों को किसी ना किसी तरह की नेत्र से जुड़ी समस्याएं ज़रूर होंगी। ग़ौरतलब है कि अगर ये ड्राइवर किसी पश्चिमी देश में होते तो उन्हें चश्मे और आंखों के सही परीक्षण के बगैर वहां पर ड्राइविंग के लिए अयोग्य करार दिया जाता।डॉ. सौरभ चौधरी आगे कहते हैं, ठट्रक ड्राइवरों की आंखों की अच्छी तरह से पड़ताल करने के बाद हमारे सामने यह तथ्य सामने आया कि इनमें से ज़्यादातर ट्रक ड्राइवर 'रिफ्रैक्टिव एरर' (दूर और नज़दीकी वस्तुओं को ठीक से नहीं देख पाने की स्थिति) की समस्या से ग्रसित हैं. ऐसे में हमने अपने पार्टनर साइटसेवर्स इंडिया के साथ मिलकर पीड़ित ट्रक ड्राइवरों को मौके पर ही विभिन्न तरह के रेडी टू क्लिप (आर2सी) चश्मे मुहैया कराए. जिन भी ट्रक ड्राइवरों में 'रिफ्रैक्टिव एरर' जटिल किस्म का पाया गया, उन ट्रक ड्राइवरों को अगले गंतव्य पर कस्टमाइज़्ड किस्म के चश्मे प्रदान किये गये। हमने विभिन्न तरह की टेक्नोलॉजी, उपकरणों और ऐप का इस्तेमाल करते हुए ट्रक ड्राइवरों को विभिन्न तरह के चश्मे मुहैया कराए ताकि वे महामार्गों पर चश्मा पहनकर ही ड्राइविंग करें।डॉक्टर के मुताबिक, ट्रक ड्राइवर जिस क्षेत्र में काम करते हैं, उसे एक असंगठित क्षेत्र माना जाता है और यही वजह है कि ट्रक ड्राइवर अपने स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर? ठीक से ध्यान नहीं दे पाते हैं। इनमें से ज़्यादातर ड्राइवर ग्रामीण इलाकों से आते हैं जहां आंखों के? परीक्षण की किसी भी तरह की कोई व्यवस्था नहीं होती है. ऐसे में ना तो कभी किसी चश्मे के लिए उनका कोई परीक्षण किया जाता है और ना ही नेत्र से जुड़ी किसी अन्य तरह की समस्या के लिए. डॉक्टर सौरभ त्रिवेदी आगे बताते हैं। हमारा अनुभव बताता है कि लम्बे समय तक ट्रक चलाते रहने के चलते ड्राइवरों की आंखें पूरी तरह से सूख जाती हैं और उनमें गंभीर रूप से नेत्र संबंधी एलर्जी जैसी स्थिति का निर्माण हो जाता है. इनमें से 60 से अधिक उम्र के ज़्यादातर ड्राइवरों को मोतियाबिंद भी हो जाता है. ऐसे में यह बहुत ज़रूरी हो जाता है कि सभी ड्राइवरों का नियमित रूप से नेत्र परीक्षण करना आवश्यक हो जाता है जो खुद उनकी सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा के लिए भी बेहद ज़रूरी है। एक एनजीओ के तौर पर साइटसेवर्स इंडिया लोगों की दृष्टि दोष का इलाज करने और लोगों को नेत्रहीनता से बचाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है. ग़ौरतलब है कि महामार्गों पर यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनज़र साइटसेवर्स इंडिया ने चोलामंडलम इंवेस्टमेंट ऐंड फाइनांस लिमिटेड कंपनी की ओर से 2017 में राही - नैशनल ट्रकर्स आई हेल्थ प्रोग्राम की शुरुआत की गई थी. बाद में 2018 में आई केयर आई हॉस्पिटल ने भी इस पहल से खुद को जोड़ लिया. ऐसें में सभी के साझा प्रयासों से अब तक 34,000 ट्रक ड्राइवरों के नेत्रों का परीक्षण किया जा चुका है।

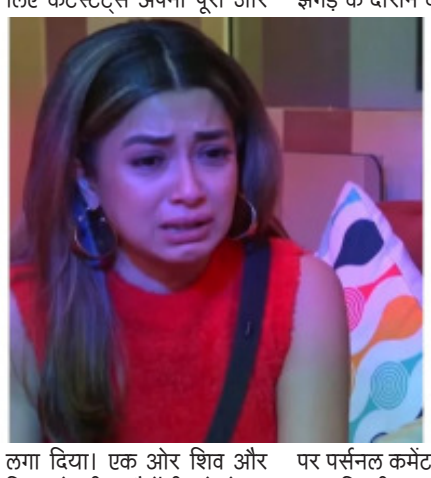

टीना की बात सुन सातवें आसमान पर पहुंचा काम्या पंजाबी का गुस्सा बोलीं- तुम औरतों की इज्जत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस 16 जैसे-जैसे अंतिम पड़ाव पर पहुंच रहा है, वैसे-वैसे कंटेस्टेंट्स एक दूसरे की पोल खोलते भी नजर आ रहे हैं। 'टिकट टू फिनाले' में जाने के लिए कंटेस्टेंट्स अपना पूरा जोर इन सबके बीच टीना ने सौंदर्या को लेकर भी कुछ ऐसा कहा, जिसे सुनने के बाद एक्ट्रेस काम्या पंजाबी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। उन्होंने टीना दत्ता को जमकर लताड़ लगाई है।दरअसल, झगड़े के दौरान दोनों ने एक दूसरे बोलने का भी आरोप लगाती ह दरअसल, टीना ने कहा कि जब शालीन, सौंदर्या के बारे में पर्सनल कमेंट कर रहे थे तब वह उस बातचीत का हिस्सा थीं, लेकिन उन्होंने खुद कोई कमेंट नहीं किया था। टीना के मुंह से यह सुन एक्ट्रेस

लगा दिया। एक ओर शिव और निमृत के बीच कैप्टेंसी को लेकर गेम हुआ, तो दूसरी ओर अपने रिलेशन को अक्सर सच्चा बताने वाले शालीन और टीना आपस में भिड़ गए। इस लड़ाई में दोनोंने एक दूसरे को बहुत कुछ कहा। शालीन ने टीना के चरित्र पर उंगली उठाई, तो टीना ने भी उनकी एक्स वाइफ दलजीत कौर का नाम लेकर उनकी बोलती बंद करने का प्रयास किया। पर पर्सनल कमेंट किए। शालीन ने कहा कि टीना एक लड़के के बाद दूसरे लड़के के साथ जाकर चिपक जाती हैं। अपने बारे में ऐसा सुनते ही टीना, शालीन तो जवान संभालकर बात करने और थप्पड़ मारने की धमकी देती हैं। टीना भी शालीन के दलजीत कौर के साथ बिगड़े रिश्तों पर बहुत कुछ कहती हैं। इतना ही नहीं, वह शालीन पर सौंदर्या शर्मा के बारे में गलत बातें काम्या पंजाबी अपना गुस्सा नहीं रोक पाईं और उन्होंने टीना दत्ता के लिए बहुत कुछ कह डाला काम्या पंजाबी ने ट्वीट किया, 'टीना ने कहा मैं सिर्फ उस बातचीत का हिस्सा थी, लेकिन मैंने तुम्हारे बारे में कुछ गलत नहीं बोला सौंदर्या'। सच में? तुम औरतों की इज्जत और आत्म सम्मान की बात करती हो लेकिन दूसरी औरतों पर तुम्हारे लिए खड़े न होने का आरोप लगाती हो।

अनंत-राधिका की सगाई में ऐश्वर्या, आराध्या, अक्षय, करण सचिन तेंदुलकर ने बांधा समा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अंबानी परिवार के लिए 19 जनवरी 2023 का दिन बहुत खास है। इस दिन अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट ने सगाई कर ली है। अब उन्हें बधाई देने उनके आवास पर ऐश्वर्या राय, आराध्या बच्चन, अनुपमा चोपड़ा,

विधु विनोद चोपड़ा, राजकुमार हिरानी, अक्षय कुमार, करण जौहर, सचिन तेंदुलकर और अंजलि तेंदुलकर जैसे लोग पहुंचे हैं। ऐश्वर्या राय ने इस अवसर पर ब्लू ग्रीन अनारकली गोल्डन ड्रेस और हील्स पहन रखी थी। वहीं, आराध्या ने सिल्वर ब्लू सूट पहन रखा था। राधिका मर्चेंट ने इस अवसर पर गोल्डन लहंगा पहन रखा है। वहीं, अनंत ने डीप ब्लू आउटफिट पहन रखा है। नीता अंबानी ने लाल और गोल्डन कलर की साड़ी पहन रखी है। परिवार के और लोग भी काफी सज-धज कर नजर आए। वहीं, पार्टी में भाग लेने टीना अंबानी और अनिल अंबानी भी पहुंचे थे। दोनों काफी खुश नजर आ रहे थे। इसके पहले राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की ट्रेडिशनल रोका सेरेमनी के बाद 30 दिसंबर को मुंबई में पार्टी रखी गई थी। इसमें भाग लेने शाह रुख खान, सलमान खान, जाह्नवी कपूर और रणवीर सिंह जैसे कई कलाकार पहुंचे थे। सभी ने इस अवसर पर दोनों को बधाई भी दी थी। राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की फोटो और वीडियो भी काफी वायरल होती हैं। दोनों का अंदाज भी फैंस को काफी पसंद आता है। राधिका मर्चेंट वीरेंद्र मर्चेंट की बेटी हैं। उन्हें भरतनाट्यम आता है। जून 2022 में राधिका के लिए एक सेरेमनी रखी गई थी। राधिका के डांस में महारत प्राप्त करने के बाद इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था। इसमें भी कई कलाकारों ने भाग लिया था। वहीं, राधिका मर्चेंट ने लाइव परफॉर्म भी किया था। सभी उनका डांस देखकर चकित रह गए थे।

प्रियंका चोपड़ा ने बेटी के साथ किया अपना पहला मैगजीन शूट, बताया आखिरी क्यों चुना था सरोगेसी का रास्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने आखिरकार अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस को लेकर खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने बच्चे के जन्म के लिए सरोगेसी का हाथ से भी छोटी थी'। प्रियंका ने आगे कहा, 'मैंने देखा कि इंटेंसिव-केयर नर्सें क्या करती हैं। भगवान का काम करते हैं। निक और मैं दोनों वहीं खड़े थे जब उन्होंने उसे इंटुबैट किया। मुझे नहीं पता कि खुशनसीब हूं कि मुझे ये मौका मिला। हम अपनी सरोगेट के प्रति काफी थैंकफुल है जिसने 6 महीनों तक हमारे अनमोल तोहफे का ख्याल रखा।' प्रियंका और निक जोनास ने 2018 में शादी की। इंस्टाग्राम

रास्ता क्यों चुना? साल 2022 जनवरी में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने घोषणा की वो पैरेंट्स बन गए हैं और उनके घर नन्ही परी आई है। बेटी के साथ प्रियंका चोपड़ा की पहला फोटोशूट ब्रिटिश वोग से बात करते हुए, प्रियंका ने कहा कि उनकी बेटी का जन्म बहुत जल्दी हुआ था। जब वह बाहर आई तो मैं ओआर (ऑपरेटिंग रूम) में थी। वह बहुत छोटी थी, मेरे उन्होंने कैसे इतने छोटे से शरीर में, इंटयूबेट करने के लिए जो चाहिए था वह मिल गया। उसने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि वह इसे सह पाएगी या नहीं।' प्रियंका ने कहा कि उन्हें मेडिकल प्रॉब्लम हैं, जिसका मतलब है कि वह खुद बच्चे को जन्म नहीं दे सकती। 'मुझे मेडिकल कॉम्प्लिकेशन हैं तो ये जरूरी था कि अगर हम बच्चा का सोचे तो सरोगेसी से ही बच्चा करें। मैं पर एक कंबाइन पोस्ट में दोनों ने पिछले साल जनवरी में अपने पहले बच्चे के जन्म की घोषणा की। मालती मैरी का नाम उनकी दोनों माओं के मिडिल नाम से प्रेरित है।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका जल्द ही रिचर्ड मैडेन के साथ रूसो ब्रदर्स और सैम ह्यूमन के साथ लव अगेन में दिखाई देंगी। इसके अलावा वो आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ जी ले जरा में भी लीड रोल में हैं।

मुकेश अंबानी की होने वाली बहू राधिका ने सगाई में कुछ ऐसा हर तरफ हो रही है तारीफ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के घर इस वक्त खुशियों का माहौल है। बड़े बेटे के बाद अब मुकेश अंबानी अपने छोटे बेटे गुजराती हिंदू परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि नीता अंबानी अपनी होने वाली छोटी बहू का द्वार पर ही बड़े ही शाही अंदाज से स्वागत

अनंत अंबानी अब जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। अनंत और बिजनेसमैन वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट की सगाई गुरुवार को हुई है। दोनों की सगाई की रस्में मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया में गोल धना और चुनरी विधि की रस्में निभाई गईं। सगाई का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में नीता जिस तरह से अपनी होने वाली छोटी बहू का स्वागत कर रही हैं वो वाकई में बस देखने लायक था। इस वीडियो को सोशल मीडिया काफी पसंद किया जा रहा है। राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की सगाई में गोल धना और चुनरी विधि की रस्में निभाई गईं। ये ये रस्में करती हैं। वो पहले राधिका की आरती उतारती हैं, फिर उन्हें तिलक लगाती हैं। इस तरह से नीता ने एक-एक करके कई रस्में इस दौरान निभाई। राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी के सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि अंबानी परिवार की होने वाली छोटी बहू जिस तरह से परिवार के हर सदस्य के सामने हाथ जोड़कर और झुक कर उनको सम्मान दे रही हैं उसे देखकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। सोशल मीडिया पर राधिका के इस अंदाज की जमकर तारीफ हो रही है। हर कोई नए जोड़े को बधाई देने के साथ ही उनकी जमकर तारीफ करता नजर आ रहा है।

टीना ने प्रियंका के सामने खोली दी शालीन की पोल, कहा- प्यार का नाटक करने की पहले से थी प्लानिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीना दत्ता और शालीन भनोट के बीच और कोई प्यार नहीं बचा। कभी एक दूसरे की बाहों में नजर आने वाला ये कपल अब सिर्फ लड़ता झगड़ता नजर आता है। टीना हूं कि अगर कुछ कह दिया तो उसका मुंह दिखाना मुश्किल हो जाएगा। प्रियंका भी इस राज को जानने में काफी दिलचस्पी दिखाती हैं, जिसके बाद एक एक करके टीना, शालीन का भांडा फोड़ देती हैंटीना ने बताया प्रियंका कहती है कि इसका मतलब ये कि सब कुछ बाहर से प्लान करके आया है। तो टीना ने कहा कि हां ये सब इसकी और गौतम की प्लानिंग थी वर्ना तुम बताओ कि शो में आते ही गौतम और

अब प्रियंका की दोस्त हैं, तो गुरुवार के एपिसोड में टीना ने शालीन से जुड़े कुछ ऐसे राज से पर्दा उठाया जिसके बाद अब उनका चेहरा पूरे देश के सामने बेनकाब हो गया है। टीना ने खोली शालीन की पोल एपिसोड के आखिर में टीना और सौंदर्या एक दूसरे से बात करती नजर आईं जिसमें टीना ने कहा कि तुम्हें पता शालीन क्यों मुझे सकता है कि पर्सनल मत होना क्योंकि मैं ऐसा काफी कुछ जानती कि शो में आने के बारे में जब पता चला तो शालीन ने एक कॉमन फ्रेंड के जरिए उन्हें मैसेज भिजवाया था। शालीन ने कहा था कि हम दोनों मिलकर खेलेंगे कोई किसी को नॉमिनेट नहीं करेगा। इस सबके बीच टीना ने कहा कि शालीन का कहना था कि टीना, गौतम मैं और साजिद सर एक टीम की तरह रहेंगे। टीना ने ये भी कहा कि शालीन ने भी वहीं पीआर रखी जो उनकी थी। टीना की बातें सुनकर शालीन एकदम से कैसे इतने अच्छे दोस्त हो गए। टीना यहीं रुकती वो कही हैं कि गौतम और शालीन ने मिलकर सौंदर्या के बारे में गंदी बातें की थीं। टीना ने शालीन के बारे में कहा कि उन्होंने उनसे कोई बेहद ही चीप चीज मांगी है। इस पर प्रियंका पूछती हैं कि क्या? तो टीना जवाब में कहती हैं कि वो बता नहीं सकती हैं कि क्या वो इतनी चीप बात है कि वो बाहर जाकर करेंगी यहां कैमरों के सामने कुछ नहीं बता सकती हैं।

जब अपने बेडरूम में परवीन बाबी को देख सन्न रह गए थे डैनी, ये थी उस रात की कहानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।अदाकारा परवीन बाबी को इस दुनिया को अलविदा कहे 18 साल हो चुके हैं। आज भी उनके चाहने वालों की जेहन में उनकी गहरी काली आंखें बसी हुई हैं। इंडस्ट्री में उनकी मेंटल हेल्थ और बॉयफ्रेंड्स के चर्चे हमेशा रहे। डैनी डेन्जोंगपा, कबीर बेदी और महेश भट्ट के साथ उनका रिलेशन हमेशा सुर्खियों में छाया रहा। परवीन के जीवन में कबीर और महेश के चैप्टर के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, उसके और डैनी के बीच क्या हुआ, इसके बारे में बहुत कम जानकारी है। परवीन बाबी की 18वीं डेथ एनिवर्सरी 20 जनवरी को परवीन बाबी की 18वीं डेथ एनिवर्सरी है। तो आज उनके और बॉलीवुड के खुंखार विलेन डैडी के रिश्ते पर एक नजर। कहते हैं कि परवीन और डैनी जुहू गैंग का हिस्सा थे, जिसमें शेखर कपूर, कबीर बेदी, प्रोतिमा बेदी, परीक्षित साहनी आदि शामिल थे। परवीन और डैनी खुश थे लेकिन जल्द ही दोनों को अपने रिश्ते से अलग उम्मीदें थीं और इसका मतलब था कि दोनों अलग हो गए।सामान्य रूप से कम बोलने वाले डैनी ने बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि वह, 'मेरी पहली प्रेमिका थी' और वे 'एक ही बिल्डिंग में रहते थे'। उन्होंने कहा, 'वह चौथी मंजिल पर थीं और मैं पहली मंजिल पर।' डैनी को परवीन की बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी लेकिन ब्रेकअप के बाद भी उनका व्यवहार थोड़ा अजीब था।

उन्होंने एक घटना के बारे में बताते हुए कहा कैसे एक बार जब उनकी उस समय की गर्लफ्रेंड किम और वो अपने मुंबई स्थित घर पहुंचे, तो वे हैरान रह गए, उन्होंने परवीन को अपने बेडरूम में वीसीआर पर फिल्में देखते हुए पाया। आगे उन्होंने कहा, 'परवीन मुझे रात के खाने के लिए बुलाती रहती थी। उन दिनों मेरी एक नई गर्लफ्रेंड बनी थी किम। ये बहुत बुरा होता जब आपकी एक्स कभी भी आपके घर में आ जा सकती हो तो किसी भी लड़की के लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। तो हुआ ये कि मैं पैकअप के बाद किम को सेट से लेकर घर पहुंचा, तो क्या देखता हूं कि परवीन मेरे बेडरूम में आराम से बैठकर वीसीआर पर फिल्म देख रही है। डैनी ने आगे कहा कि जब मैंने परवीन को ऐसा करने से मना किया तो उसका जवाब था कि, 'हमारे बीच कुछ नहीं है, हम दोस्त हैं'। डैनी को महसूस हुआ कि परवीन की तबीयत उस वक्त से खराब होनी शुरू हुई जब वो महेश भट्ट को डेट कर रही थीं। डैनी को डिनर पर बुलाना परवीन की फितरत थी। उन्होंने उसी इंटरव्यू में बताया, 'मैं उसके घर रात के खाने के लिए गया था। मेज पर चांदी के शंख थे। जब मैंने एक फूंकना शुरू किया, तो वह डर गई। तब महेश ने कहा, 'वह इन दिनों आसानी से डर जाती है'। डैनी ने कहा था कि वह हमेशा इसके साथ रहे क्योंकि उसकी सेहत में लगातार गिरावट आ रही थी। जब भी जरूरत होती वह उससे मिलने जाते। फिर एक दिन, उन्होंने अचानक डैनी के साथ सारी बातचीत बंद कर दी। वजह थे अमिताभ बच्चन।

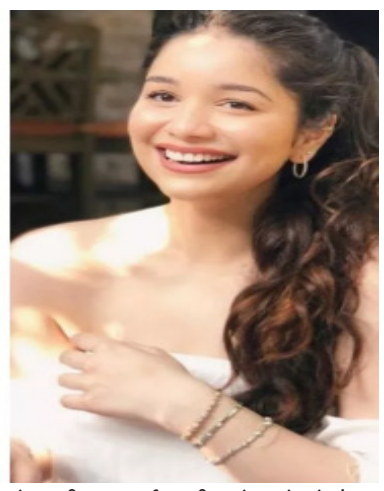

शुभमन गिल संग हो रही है सचिन तेंदुलकर की बेटी की सगाई अब सारा अली खान को लगेगा 440 बोल्ट का झटका

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एक्ट्रेस सारा अली खान का नाम आजकल क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ जुड़ रहा है। खबर है की बेटी से हो रही है शुभमन की सगाई दरअसल, ताजा मैच में जब शुभमन गिल ने बाउंड्री के करीब फील्डिंग की तो फैंस सारा-सारा बार भारत और विदेश में रेस्तरां में लंच डेट करते हुए भी देखा गया है।ताजा अपडेट में शुभमन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में एक ट्वीट ऐसा है जिसने हमारा ध्यान खींचा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इन ट्वीट्स की सच्चाई तो सबको पता है लेकिन

कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। इससे पहले शुभमन का नाम सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ भी सुर्खियों में छाया रहा। तो अब सोशल मीडिया पर शुभमन और सारा तेंदुलकर की सगाई की न्यूज वायरल हो रही है। लोग इस फेक न्यूज पर भी जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। सचिन के नाम के नारे लगा रहे थे। तेज आवाजें सुनकर उन्होंने भीड़ की ओर हाथ हिलाया। कुछ महीने पहले उन्होंने सोनम बाजवा के शो में कहा था कि वो सारा को डेट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इंडस्ट्री की सबसे फिट एक्ट्रेस हैं। वैसे एक्ट्रेस ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। दोनों को दो 208 रन बनाए। बल्लेबाज ने अपनी पारी में शानदार छक्के लगाए। दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद वह तेजी से रन बनाते रहे। वह 50 ओवर के क्रिकेट मैच में दोहरा शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर भी हैं। अब सोशल मीडिया पर तरह-तरह के मीम्स वायरल हो रहे हैं। लेकिन यूजर्स काफी इंटरेस्ट ले रहे हैं इन मजेदार पोस्ट पर। ये सगाई वाला ट्वीट 150 व् से ज्यादा बार देखा जा चुका है। लोगों को अंदाजा हो गया है पोस्ट लिखने वाले को शायद दोनों सारा में कंफ्यूजन हो गई है। जिसके चलते उसने सचिन की बेटी से शुभमन के रिलेशनशिप बता दिया।

गंगूबाई के पोज में हाथ जोड़े थाने से बाहर निकलीं राखी सावंत, पति आदिल के साथ टेंशन में आईं नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। राखी सावंत कुछ देर पहले ही अंबोली पुलिस स्टेशन से लंबी पूछताछ के बाद बाहर निकलीं आईं राखी सावंत राखी ब्राउन कलर के कुर्ते और काले हिजाब में दिखीं, स्टेशन से निकलते समय थोड़े टेंशन में नजर आ रही थीं। आदिल ने

हैं। हिजाब पहने अपने पति आदिल के साथ पुलिस स्टेशन से निकली हुई राखी शांत नजर आईं उन्होंने मीडिया के कैमरों के सामने गंगूबाई स्टाइल में बस सिर के ऊपर से हाथ जोड़ लिए। यहां तक ??कि उनके पति आदिल खान भी उनकी हरकतों पर मुस्कुराए बिना नहीं रह सके। पुलिस स्टेशन से बाहर पैपराजी से उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की। राखी सावंत की अग्रिम जमानत अर्जी बुधवार को मुंबई की एक सत्र अदालत ने खारिज कर दी, जिसके बाद उन्हें गुरुवार को उन्होंने पुलिस ने बुला लिया।ई-टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार एक सूत्र ने उन्हें बताया कि, 'अंबोली पुलिस ने राखी सावंत को घर जाने की अनुमति दे दी। पुलिस का कहना है कि राखी ने पूछताछ में सहयोग किया और अपना मोबाइल फोन भी हमें जांच के लिए सौंप दिया है, इसलिए उन्हें और ज्यादा रखने का कोई ठोस कारण नहीं है। एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई पुलिस ने एक दूसरी एक्ट्रेस की शिकायत के आधार पर राखी सावंत को पूछताछ के लिए बुलाया था। पीड़ित एक्ट्रेस ने अपने वीडियो लिंक और तस्वीरें कथित रूप से सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के लिए राखी सावंत के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। एक्ट्रेस की शिकायत के बाद पुलिस ने राखी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और 509 के तहत एफआईआर दर्ज की थी। बता दें कि राखी सावंत के लिए आजकल मुसीबत कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। हाल ही में उन्होंने बताया कि उनकी मां कैंसर के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं और उन्होंने मां के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार भी लगाई थी। बाद में पता चला कि मुकेश अंबानी ने राखी की मां के इलाज में उनकी मदद की। इसके अलावा राखी ने बताया कि उन्होंने और आदिल ने शादी कर ली है। जिसके बाद वो मीडिया के सामने रोती हुई नजर आईं उन्होंने शादी की तस्वीरें वायरल कर दी और आदिल के घरवालों से खुद के जान को खतरा भी बताया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0नं0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website: www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।